उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

Regd. No.- UPHIN/2004/15489 | Website : www.udyogviharnp.com | प्रधान सम्पादक : सत्येन्द्र सिंह

दिल्ली, एन.सी.आर. व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लोकप्रिय मासिक

तिरंगे के सूत्र... Page - 3

वर्ष : 01 | अंक : 01 | गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018 | मूल्य : 1 रूपया | पृष्ठ : 16 | E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर सभी महानगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

एक नजर

आम बजट 2018–19 में रहेगा सब्सिडी नियंत्रण पर जोर

नई दिल्ली। राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने की चुनौती के मद्देनजर सरकार आम बजट 2018–19 में सब्सिडी नियंत्रण पर जोर देगी। अगले वित्त वर्ष में सब्सिडी बिल घटकर जीडीपी की तुलना में 1.3 फीसद होने का अनुमान है। हालांकि केंद्र खाद्य सब्सिडी में कटौती नहीं करेगा।

सूत्रों ने कहा कि सरकार ने चालू वित्त वर्ष में सब्सिडी बिल जीडीपी का 1.4 प्रतिशत पर नियंत्रित रखने का लक्ष्य रखा है। आम बजट 2018–19 में सब्सिडी पर व्यय को जीडीपी के 1.3 प्रतिशत पर सीमित रखा जा सकता है। इस तरह सब्सिडी में जीडीपी के मुकाबले कम से कम 0.1 प्रतिशत की कटौती करने का इरादा है। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष के आम बजट में सरकार ने सब्सिडी की प्रमुख मदों में भारी भरकम 2,40,339 करोड़ रुपये आवंटन किया है। इसमें से लगभग 60 प्रतिशत धनराशि खाद्य सब्सिडी के लिए आवंटित की गयी है जबकि शेष राशि खाद और ईंधन पर सब्सिडी के रूप में खर्च होनी है। सूत्रों ने कहा कि सब्सिडी पर नियंत्रण करने की कवायद के बीच सरकार खाद्य सुरक्षा कानून के लिए धनराशि आवंटन में कोई कंजूसी नहीं करेगी।

देशभक्ति की भावना से ''स्वच्छता एवं हरियाली मिशन'' को जोड़ा गया

विशेष संवाददाता

रितु माहेश्वरी जिलाधिकारी गाजियाबाद एवं उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने जिस तरह से गाजियाबाद का काया कल्प करने के लिए अपनी कमर कस ली है यह किसी से भी छुपा नहीं है। गाजियाबाद निवासी अपने को धन्य मान रहे हैं की उन्हें इस तरह का अधिकारी मिला जो उनकी समस्याओं को न केवल समझता है वरन उसे सुलझाता भी है। हम आपको बता दें की ये वही रितु माहेश्वरी है जिन्होंने कानपुर में केस्को की जी एम रहते हुए वहाँ बिजली चोरों को सबक सिखाया था तथा बिजली चोरी रोकने में बड़ी कामयाबी हासिल की थी। अपने इस कार्य के लिए वे इतनी प्रसिद्ध हुयी की उनके ऊपर एक फिल्म ''कटियाबाज'' बनी जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया तथा फिल्म को कई अवार्ड भी मिले। फिल्म में रितु माहेश्वरी के बिजली चोरों से संघर्ष का चित्रण किया गया है।

अब गाजियाबाद में आते ही उन्होंने वादा किया था की हम गाजियाबाद को **''स्वच्छ, हरित एवं समृद्ध गाजियाबाद''** बनायेंगे जिसके लिए उन्होंने पूरी ताकत लगा दी है। तथा प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ अपने काम में जुट गया है ताकि गाजियाबाद को ''स्वच्छ, हरित एवं समृद्ध'' बनाया जा सके।

रितु माहेश्वरी ने सेंट्रल पार्क राजनगर में जब उत्थान समिति को 111 फीट तिरंगा लगाने की अनुमति दी तभी उन्होंने तिरंगे के सम्मान के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को सेन्ट्रल पार्क के सौंदर्यीकरण का भी आदेश दे दिया।

तभी से प्रभारी अधिकारी उद्यान ए आर राही के नेतृत्व में पूरा अमला सेन्ट्रल पार्क के काया कल्प में जुट गया। और दिन रात एक करके सभी के सहयोग से आज एक पूर्णतः नया सेन्ट्रल पार्क गाजियाबाद की जनता को समर्पित किया जा रहा है।

रितु माहेश्वरी – जिलाधिकारी एवं उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

गाजियाबाद की रत्न (एक)

शुभकामनाएं

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता का आभास हो रहा है कि उत्थान समिति (ऐ रे ऑफ होप) गाजियाबाद द्वारा गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर 111 फीट ऊंचे तिरंगे के अनावरण का आयोजन किया जा रहा है।

इस शुभ कार्य के अवसर पर मैं उत्थान समिति से प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़े संचालक गण एवं प्रबंधक समिति के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूं।

– जनरल (डा.) विजय कुमार सिंह
विदेश राज्यमंत्री (भारत सरकार)

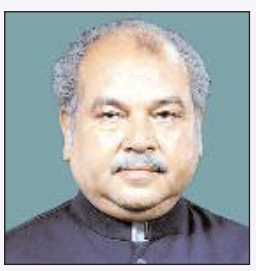

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि उत्थान समिति 26 जनवरी, 2018 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजनगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में ''क्लीन, ग्रीन, हेल्दी एवं एजुकेटेड इंडिया'' अभियान के तहत 111 फीट ऊंचे तिरंगे का अनावरण कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इस वर्ष यह समिति ''क्लीन, ग्रीन, हेल्दी एवं एजुकेटेड इंडिया'' अभियान के तहत इस क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश के पार्कों के सौन्दर्यीकरण का अभियान शुरू करने जा रही है। मेरा विश्वास है कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से देश में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। इससे लोगों में स्वच्छता और साफ–सफाई के प्रति जागरूकता पैदा होगी।

मैं उत्थान समिति के ध्वज अनावरण कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समारोह की सफलता की कामना करता हूं।

नरेन्द्र सिंह तोमर
ग्रामीण विकास, पंचायती राज और खान मंत्री
(भारत सरकार)

योगी कैबिनेट ने लगाई 12 प्रस्तावों पर मुहर, नई आबकारी नीति तय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 12 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मंजूरी की मुहर लगा दी है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिये नई आबकारी नीति का निर्धारण कर दिया है। इस नीति के जरिये बसपा सरकार में वर्ष 2008–09 से पिछली सपा सरकार तक चली आ रही करीब एक दशक की एकाधिकार (मोनोपोली) तोडने की पहल की गई है। सरकार ने न केवल स्पेशल जोन समाप्त कर दिया है बल्कि थोक के भाव में दुकानों के लाइसेंस पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। अब ऑनलाइन आवेदन होगा और एक जिले से दो से ज्यादा लाइसेंस एक व्यक्ति को नहीं मिल सकेंगे।

लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव समेत कुल 12 फैसलों पर मुहर लगी। फैसलों की जानकारी सरकार के प्रवक्ता और स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने दी। सिद्धार्थनाथ ने बताया कि उप्र में अब तक आबकारी का जो एकाधिकार चल रहा था, उसे तोड़ते हुए पारदर्शी व्यवस्था की गई है। राजस्व बढ़ाने के लिए सरकार ने पहल की है और इस नई नीति से वित्तीय वर्ष में 4673 करोड़ रुपये का अतिरिक्त मुनाफा होगा। यह राजस्व की 29.71 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018

विभिन्न प्रदेशों का न्यूनतम वेतन

U.P. Minimum Wages

General

w.e.f. 01/10/2017 To 31/03/2018

Category Of Workers	Minimum Wages
Un-Skilled	7356.01
Semi Skilled	8091.61
Skilled	9063.88

Engineering (50 to 500)

w.e.f. 01/08/2017 To 31/01/2018

Category Of Workers	Minimum Wages
Un-Skilled	8591.80
Semi Skilled	9434.81
Skilled	10474.14

Engineering (above 500)

Category Of Workers	Minimum Wages
Un-Skilled	9007.53
Semi Skilled	9908.28
Skilled	10809.04

Delhi Minimum Wages

w.e.f. 01/04/2017

Category Of Workers	Minimum Wages
Skilled	16468.00
Semi Skilled	14958.00
Un-Skilled	13584.00

Rajasthan Minimum Wages

w.e.f. 01/04/2016

Category Of Workers	Minimum Wages
Un-Skilled	5226.00
Semi Skilled	5486.00
Skilled	5746.00
Highly Skilled	7046.00

Gujrat Minimum Wages

w.e.f. 01/10/2016 To 31/03/2017

Category Of Workers	Minimum Wages
Skilled-A	8134.80
Skilled-B	7899.80
Semi Skilled	7899.80
Un-Skilled	7691.80

Punjab Minimum Wages

w.e.f. 01/03/2016

Category Of Workers	Minimum Wages
Skilled	8887.52
Semi Skilled	7990.52
Un-Skilled	7210.52

Haryana Minimum Wages

w.e.f. 01/01/2017

Category Of Workers	Minimum Wages
Un-Skilled	8280.20
Semi Skilled-A	8694.20
Semi Skilled-B	9128.91
Skilled-A	9585.35
Skilled-B	10064.62
Highly Skilled	10567.85

गणतंत्र की हार्दिक शुभकामनाएं

गाजियाबाद के रत्न (दो)

चन्द्र प्रकाश सिंह (नगर आयुक्त) –

इन्होंने भी गाजियाबाद को सँवारने की कसम खा रखी है। इनकी तेजी से सभी परिचित हैं। इन्होने गाजियाबाद शहर में सुलभ शौचालय एवं मूत्रालय बनवा कर शहर को स्वच्छ करने की दिशा में एक सफल प्रयास किया है। कूड़ा फेंकने वालों से जुर्माना वसूलना एक सराहनीय कदम है।

इनकी सुबह निरीक्षण से शुरू होती है इसी से इनकी कर्मठता का अंदाजा लगाया जा सकता है। ये सुबह ही निरीक्षण पर निकल जाते हैं तथा तुरंत कार्यवाही में विश्वास रखते हैं। कई मौकों पर कूड़ा फेंकते हुए इन्होने मौके पर ही जुर्माना वसूला है। आजकल स्वच्छता के गीत बजाते हुए नगर निगम की गाड़ियों से शहर से कूड़ा इकट्ठा करने के लिए इन्होंने अभियान छेड़ा हुआ है।

LEGAL INFOSOLUTIONS PVT. LTD.

ISO 9001 : 2008

A COMPLETE H.R., LABOUR LAWS & PAY ROLL OUT SOURCING MANAGEMENT

When we are at your back please stopworrying about maintaining records of Factory Act, Shop & Commercial Establishments Act, Contract Labour and Abolition Act, ESIC Act, PF Act, (Boiler) IBR Act, and handling cases relating to Labour Commissioner Office. We feel ourselves much competent in solving such problems due to our sincere working and wide contacts.

We have a full-fledged office set-up having most modern communication facilities (LAN, e-mail, internet, fax, and integrated telecommunication system), fully computer-ized environment with highly qualified and competent staff to render efficient and prompt services to our esteemed clients.

Our company is the first ISO-9001:2008 CERTIFIED company in India in this category.

OUR SCOPE OF WORK -

We are committed to provide satisfactory services to the customers by delivering prompt & quality output at value prices. Our end-to-end serv-ice includes;

- Payroll
- TDS
- ESI Act
- EPF Act
- Minimum Wages Act
- Bonus Act
- Payment of Gratuity Act
- Standing Order
- Workmen Health & Safety Policy
- First Aid Training & Certificates
- Factory Plan & Site Plan
- Factory Act-1948
- Shop & Establishment Act

Our Website : www.legalipl.com, **CMD -** 9818036460 / 9818697406

H.O. : SH-295, 1st FLOOR, SHASTRI NAGAR, GHAZIABAD (U.P.) INDIA.
PH. : 0120-4122901, 4108794,
Mobile : 9910771102/04

B.O. : D-129, 1st Floor, Sector-10, NOIDA, GAUTHAMBUDH NAGAR, (U.P.) INDIA.
Ph. : 0120-4222307

E-mail : legalipl@yahoo.com, singh@legalipl.com
Customer Care No. : 24x7 - +91 9717889992

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018

सेण्ट्रल पार्क में तिरंगे के सूत्रधार

कपिल सचदेवा (संयोजक)– लोगों के अंदर देशभक्ति की भावना जगे ताकि वे लोग अपने देश को स्वच्छ एवं हरा भरा बनाने के लिए दिल से जुटें। तभी हमारा गाजियाबाद **''स्वच्छ ,हरित एवं समृध्द''** बनेगा। हमारी बेटी त्रिशा सचदेवा ने ही हमें प्रेरणा दी जिसे हमने आज साकार किया है। उसका यह मानना है की जब विदेशों से पर्यटक हमारे यहाँ आते हैं तो वे यदि हमारे गन्दे देश को देखेँगे तो हमारे देश की बदनामी होती है अतः हमें अपने देश की इज्जत के लिए कोई ठोस कदम उठाना होगा। उत्थान समिति आगे भी इस तरह के कार्य करती रहेगी।

तृषा सचदेवा

सत्येन्द्र सिंह चेयरमैन उत्थान समिति

गाजियाबाद की जनता को यह पार्क समर्पित करते हुए उनसे हम यही अपेक्षा करते हैं की वे लोग यहाँ की सुंदरता को बनाये रखेंगे। तिरंगा लगाने का हमारा मकसद सिर्फ इतना है की हम देशभक्ति की भावना से ''स्वच्छता एवं हरियाली मिशन'' को जोड़ना चाहते हैं। हमने यह कार्य अपने अभियान ''क्लीन, ग्रीन ,हेल्दी एवं एजुकेटेड इण्डिया'' अभियान के तहत किया है। क्योकि जब स्वच्छता होगी एवं हरियाली होगी तभी यहाँ का नागरिक स्वस्थ होगा तथा इसी मिशन से लोगों को एजुकेट करना ही हमारा मिशन है। हमें सरकार के ही भरोसे नहीं बैठे रहना है की सब कुछ सरकार ही करेगी, हमें खुद भी कुछ कदम उठाने होंगे तभी सरकार भी अपने मिशन में सफल होगी। जापान जैसे छोटे से देश की सफलता का यही कारण है की वहाँ के नागरिक कुछ नहीं बहुत कुछ करते हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भी कहा है की जब तक अपने लक्ष्य को प्राप्त न कर लो तब तक चैन से मत बैठो।

तिरंगा लगाने का हमारा मकसद सिर्फ इतना है की हम देशभक्ति की भावना से ''स्वच्छता एवं हरियाली मिशन'' को जोड़ना चाहते हैं।

लिंक रोड पर टूटी सड़कों से निजात नहीं, लोग परेशान

गाजियाबाद। लिंक रोड क्षेत्र में टूटी सड़कों से लोगों को निजात नहीं मिल रही है। क्षेत्र का व्यस्ततम सौर ऊर्जा मार्ग पिछले एक साल से टूटा पड़ा है। औद्योगिक क्षेत्र की आंतरिक और बृज विहार की भी सड़कों पर जगह–जगह गड्ढे हो गए हैं। सड़कों में गड्ढों की वजह से हर रोज पीक ऑवर में जाम लगता है। गड्ढों की वजह से हादसे भी हो रहे हैं।

साइट–4 औद्योगिक क्षेत्र सौर ऊर्जा मार्ग पर हर रोज हजारों वाहन चालक गुजरते हैं। साहिबाबाद रेलवे अंडरपास बनने से शालीमार गार्डन, राजेंद्र नगर, लाजपतनगर, पसौंडा व इनके आसपास के अन्य इलाके के लोगों को बड़ी राहत मिली। अब उन्हें मोहन नगर चौराहे पर जाम में नहीं जूझना पड़ता है और सभी सौर ऊर्जा मार्ग का प्रयोग करते हैं। दिल्ली, नोएडा, इंदिरापुरम या वैशाली जाने के लिए लोग साहिबाबाद रेलवे अंडरपास के रास्ते से सौर ऊर्जा मार्ग पर पहुंचते हैं।

घंटाघर से लालकुआं तक एलिवेटेड रोड की तैयारी, बोर्ड में जाएगा प्रस्ताव

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण घंटाघर के सामने से लालकुआं से पहले तक एक और एलिवेटेड रोड बनाने का खाका तैयार कर रहा है। इस प्रस्ताव को प्राधिकरण बोर्ड की 30 जनवरी को होने वाली बैठक में रखा जाएगा। इसके अलावा शहर के चारों ऐतिहासिक गेटों के जीर्णोद्धार का प्रस्ताव भी उसमें रखा जाएगा। अवस्थापना निधि से कई अन्य कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। इसके लिए उपाध्यक्ष ने सोमवार को अधिकारियों के साथ बैठक की।

जीडीए उपाध्यक्ष रितु माहेश्वरी ने बताया कि जीटी रोड पर दबाव बहुत है। जाम लग जाता है। इस कारण घंटाघर के सामने से लाल कुआं से पहले तक एलिवेटेड रोड बनाने की योजना तैयार हो रही है। एलिवेटेड के पीछे कारण बताया कि जीटी रोड पर यातायात जस की तस चालू रखा जा सके। उन्होंने बताया कि इसका प्रस्ताव तैयार हो रहा है, बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। यह भी बताया कि शहर में चार ऐतिहासिक गेट हैं। जवाहर गेट (घंटाघर), दिल्ली गेट, सिहानी गेट और डासना गेट। यही शहर का पुराना इतिहास बयां करते हैं।

इनके जीर्णोद्धार के लिए भी प्रस्ताव बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। इसके अलावा कई कॉलोनियों के रास्ते को मास्टर प्लान सड़कों से जोड़ने, स्पोर्ट्स सिटी, मधुबन–बापूधाम के फ्लैट के दाम फ्रीज करने समेत कई प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों से चर्चा की गई है।

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

सम्पादकीय

गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018

21वीं सदी में भारत करेगा नेतृत्व, हमारी संस्कृति का होगा बोलबाला

भारत के पुनरुत्थान हेतु आयोजित होने वाले उस तीन दिवसीय बौद्धिक उद्यम की सुगबुगाहट सुनाई पडने लगी है, जो वास्तव में भारत की भवितव्यता के आकार लेने की आहट है।

सत्येन्द्र सिंह

खबर है कि आगामी अप्रैल महीने में महाकाल की नगरी उज्जैन में एक ऐसा अद्भुत कार्यक्रम होने जा रहा है, जिससे देश–दुनिया के लोग पृथ्वी के सर्वाधिक पुरातन–सनातन राष्ट्र 'भारतवर्ष' को 'परम वैभव' का अभीष्ट सिद्ध करने के निमित्त भारतीय पैरों पर पुनः खड़ा हो उठने का बौद्धिक उद्यम करते देख सकेंगे। भारत के पुनरुत्थान हेतु आयोजित होने वाले उस तीन दिवसीय बौद्धिक उद्यम की सुगबुगाहट सुनाई पडने लगी है, जो वास्तव में भारत की भवितव्यता के आकार लेने की आहट है। जी हां ! वही भवितव्यता, जिसे महर्षि अरविन्द व युग–ऋषि श्रीराम शर्मा आचार्य ने चेतना के सर्वोच्च स्तर पर जा कर अपनी–अपनी दिव्य–दृष्टि से काल के भावी प्रवाह का अवलोकन कर वर्षों पूर्व ही उद्घाटित कर रखा है कि २१वीं सदी का प्रथम दशक बीतने के साथ ही भारतीय ज्ञान–विज्ञान का नवोन्मेष आरम्भ हो जाएगा और फिर आने वाले दशकों में भारत अपनी समस्त सांस्कृतिक–आध्यात्मिक समग्रता के साथ सारी दुनिया पर छा जाएगा तथा सम्पूर्ण विश्व–वसुधा का नेतृत्व करेगा। तो भारतीय ज्ञान–विज्ञान के उत्कर्ष–उन्नयन के जो मूल स्रोत पिछले दो सौ वर्षों से अंग्रेजों की षड्यंत्रकारी मैकाले शिक्षा–पद्धति की भीषण व्याप्ति और स्वातन्त्र्योत्तर भारत–सरकार की पश्चिमोन्मुख शिक्षा–नीति के कारण मृतप्राय हो कर तथाकथित आधुनिकता के गर्द–गुबार में ओझल हो चुके हैं, उन 'स्रोतों' के पुनर्जीवन एवं देश की चालू शिक्षा–पद्धति के भारतीयकरण हेतु एक अन्तर्राष्ट्रीय आयोजन उज्जैन की धरती पर होने जा रहा है। भारत सरकार के केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संरक्षण में होने वाला वह आयोजन है– देश–दुनिया में अब तक बचे–खुचे अथवा नये खुले भारतीय गुरुकुलों का महा–सम्मेलन, जिसमें भारत की उस महान प्राचीन शिक्षा–पद्धति के आधुनिकीकरण, वैधानिकीकरण व वैश्वीकरण के बाबत शासनिक सूत्र–समीकरण तैयार किये जाएंगे, जो पद्धति अंग्रेजों द्वारा अवैध करार दिए जाने के कारण निस्तेज हो कर अप्रासांगिक हो चुकी थीं। इस हेतु उस कार्यक्रम में लगभग १२०० गुरुकुलों के संचालक, विद्यार्थी व उनके अभिभावक और गुरुकुलीय शिक्षा–पद्धति के चिन्तक–विचारक–विद्वत लोग भाग लेने वाले हैं। है न अद्भुत कार्यक्रम! अद्भूत ही नहीं, ऐतिहासिक भी है वह आयोजनय क्योंकि उससे भारत की नयी पीढ़ियों की दशा–दिशा तय करने के बाबत शिक्षा की उस भारतीय रीति–नीति–पद्धति को शासनिक आकार दिए जाने का प्रारुप निर्धारित होगा, जिसकी अपेक्षा १५ अगस्त १९४७ के बाद से ही देश के राष्ट्रवादी चिन्तकों व सांस्कृतिक संगठनों की ओर से की जाती रही है, किन्तु सरकार द्वारा इसकी उपेक्षा ही होती रही थी।

मालूम हो कि भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में सक्रिय रहने के पश्चात भारत की राष्ट्रीय चेतना को उभारने–झकझोरने की तपश्चर्या में प्रवृत हो ब्रह्म–सत्ता से साक्षात्कार कर लेने के कारण महर्षि कहे जाने वाले अरविन्द घोष और युग–ऋषि कहे गए श्रीराम शर्मा आचार्य ने विभिन्न अध्यात्मिक प्रयोगों से यह प्रतिपादित किया हुआ है कि अन्न, मन, प्राण, विज्ञान, आनन्द, चित् व सत् नामक सात कोषों से निर्मित मानव–शरीर का मस्तिष्क, चेतना के विभिन्न आयामों से, जो हमारी भौतिक दुनिया की सीमाओं से परे हैं, जुड़ सकता है। पश्चिम का विज्ञान तो आर्थिक लाभ के लिए सिर्फ भौतिक जगत के उपयोग पर अत्यधिक जोर देता रहा है।

संविधान ने जनता को राजा बनाया पर नेताओं ने सत्ता पर कब्जा कर लिया

राजनीति / राकेश सैन

26 जनवरी, 1950 को भारत को गणतंत्र राष्ट्र घोषित किया गया, जिसका आधार बाबा साहिब भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में लिखा गया वह संविधान बना जिसमें व्यस्क मताधिकार से अपने देश का राजा चुनने का अधिकार सभी नागरिकों को मिला। इस पर बोलते हुए अंबेडकर ने कहा था– मैंने रानियों की नसबंदी कर दी है और भविष्य के राजा मतपेटियों से निकला करेंगे। सारांश कि बाबा साहिब या देश के नीति निर्धारक चाहते थे कि देश का नेतृत्व लोकप्रियता, क्षमता, योग्यता जैसे अन्य जनतांत्रिक गुणों की कसौटी पर खरा उतरने वाला हो। लेकिन उस समय अनुमान भी नहीं लगाया गया होगा कि एक समय देश में श्गणतंत्रश के समक्ष श्गौत्रतंत्रश चुनौती बन कर उभरेगा और कुछ खानदान व नेता पार्टी तंत्र पर कब्जा कर फिर शासन करने के पुश्तैनी अधिकार से लैस हो जाएंगे।

वैसे वंशवाद से आज दुनिया का कोई भी लोकतांत्रिक देश अछूता नहीं है। स्वतंत्रता के बाद से ही भारत की राजनीति में खास परिवार से जुड़ा होना भी योग्यता का एक बड़ा मानदंड बन चुका है। जब राहुल गांधी कांग्रेस के उपाध्यक्ष रहते हुए अमेरिका की यात्रा पर गए तो कोलंबिया के बर्कले विश्वविद्यालय में किसी ने उनसे एक सवाल पूछा था परिवारवाद के संदर्भ में। उन्होंने अपने उत्तर में कहा कि हिन्दुस्तान में तो परिवारवाद ही चलता है। इसके लिए उन्होंने अमिताभ बच्चन, कपूर व अंबानी खानदान और भी न जाने कई नाम गिनवा दिए। उनकी यह बात सत्य भी साबित हुई और कमोबेश इसी गुण के चलते वे कांग्रेस के अध्यक्ष भी बन गए। लगता है कि भले ही हमने संविधान से राजशाही को समाप्त कर दिया हो, पर देश के सभी दलों में परिवारशाही के रंग दिखाई दे रहे हैं, अंतर इतना है कि कहीं रंग गहरा है, कहीं फीका। पर हकीकत यह है कि जनतांत्रिक भारत की राजनीति परिवारवाद के ग्रहण से लगातार ग्रस्त होती जा रही है। कांग्रेस पचास–साठ साल तक देश पर शासन करती रही है, इसलिए उसका परिवारवाद ज्यादा गहरा और फैला हुआ दिखता है, लेकिन हकीकत यह है कि भाजपा, सपा, शिवसेना, डीएमके, अकाली दल, नेशनल कान्फ्रेंस, पीडीपी सहित अन्य दल भी इसके उदाहरण बनते जा रहे हैं। आज देश में स्थिति यह है कि लगभग सभी राज्यों और सभी दलों में बहुत से चुनाव क्षेत्रों पर कुछ परिवारों का कब्जा है। वे उन्हें अपनी मल्कियत लगने लगे हैं। पिता के बाद बेटा या बेटी या पत्नी या बहन के नाम कर दी जाती है चुनाव क्षेत्र की जागीर।

पंच को परमेश्वर मानने वाले भारतीय शायद आज भूल गये हैं कि, समाज में गण की शक्ति सत्य सनातन है। भारतीय समाज ने अपने जीवन के सर्वोदय में श्सर्वे भवंतु सुखिनरू व सरबत्त दा भलाश के सिद्धांत का गणतंत्रीय संविधान में साक्षात्कार किया था। जब कभी एक व्यक्ति के ध्वज–दंड के चारों ओर देश की आत्मा को बाँधने का प्रबंध हुआ, अंत में असफलता ही मिली। भारत की जीवन–प्रवृत्ति, उसकी प्रकृति तो विकेंद्रीकरण में थी, जिसका विकास गणराज्य के संघ में हुआ। कहीं न कहीं यह गणतंत्र पद्धति संसार को भारत की देन है। अथर्ववेद तृतीय कांड, सूक्त 4, श्लोक 2 का आदेश है– श्हे राजन्! तुझको राज्य के लिए सभी प्रजाजन चुनें तथा स्वीकारें। चुने हुए व्यक्ति को वेदों ने राजा कहा। इसके विस्मरण से समाज में, देश में विकृतियाँ उत्पन्न हुईं। मध्यकालीन गणराज्यों के रूप में शिवाजी के साम्राज्य का जिक्र करते हुए डॉ. काशी प्रसाद जायसवाल ने अपनी पुस्तक शहिंदू राज्यतंत्रश में करते हुए लिखा, शिवाजी ने अतीत की ओर देखा व संविधान बनाया। तंत्र खड़ा किया, उस पर जो उन्हें उपलब्ध था, उनका नाता अतीत से जोड़ा।

उन्होंने महाभारत व शुक्रनीति से प्रेरणा ली। पाया कि एक राजा को जन–हृदय का राज्य चाहिए, शासन नहीं। अपनी पुस्तक के उपसंहार में उन्होंने लिखा, किसी भी राजतंत्र की कसौटी उसके जीवंत होने व विकसित हो सकने में है। हिंदू समाज ने जैसी संवैधानिक उन्नति की, उसे प्राचीन काल का कोई राज्यतंत्र न छू सका। जब समर्थ गुरु रामदास ने गर्जना की कि श्नरदेह हा स्वाधीन, सहसा न ह्वे पराधीनश अर्थात् मानव स्वतंत्र है और जोर–जबरदस्ती से उसे पराधीन नहीं किया जा सकता तब सभी वर्णों ने एकजुट होकर एक गणराज्य की नींव डालने के प्रयत्न को स्वीकार किया। इसी से शिवाजी के नेतृत्व में हिंदवी साम्राज्य अस्तित्व में आया जिसका सम्राट खुद को जनता का प्रतिनिधि मान कर उसकी सेवा के लिए छत्र धारण करता था। देश में गणतंत्र का इतिहास इससे भी प्राचीन माना जाता है। जनतांत्रिक पहचान वाले गण तथा संघ जैसे स्वतंत्र शब्द भारत में आज से लगभग पांच हजार वर्ष पहले ही प्रयोग होने लगे थे। महाभारत के शांतिपर्व में राज्यकार्य के निष्पादन के लिए बहुत से प्रजाजनों की भागीदारी का उल्लेख मिलता है, जो उस समय समाज में गणतंत्र के प्रति बढ़ते आकर्षण का संकेत देता हैकृ श्गणप्रमुख का सम्मान किया जाना चाहिए, इसलिए कि दुनियादारी के बहुत से कार्यों के लिए शेष समूह उसी के ऊपर निर्भर करता है। संघ–प्रमुखों को चाहिए कि आवश्यक गोपनीयता की रक्षा करते हुए सदस्यों के सुख–समृद्धि के लिए सभी के साथ मिलकर, दायित्व भावना के साथ कार्य करें, अन्यथा समूह का धन–वैभव नष्ट होते देर नहीं लगेगी। सिकंदर के भारत अभियान को इतिहास में रूप में प्रस्तुत करने वाले डायडोरस सिक्युलस तथा कारसीयस रुफस ने भारत के सोमबस्ती नामक स्थान का उल्लेख करते हुए लिखा है कि वहां पर शासन की श्गणतांत्रिक प्रणाली थी, न कि राजशाही।श ईसा पूर्व चौथी शताब्दी के दौरान गणतंत्र भारत में लोक प्रचलित शासन प्रणाली थी। डायडोरस सिक्युलस ने अपने ग्रंथ में भारत के उत्तर–पश्चिमी प्रांतों में अनेक गणतंत्रों की मौजूदगी का उल्लेख किया है। गणपति शब्द का प्रयोग वैदिक साहित्य में अनेक स्थानों पर हुआ है, जिसका एक अर्थ श्गणश अर्थात नागरिक भी है। इस तरह गणपति यानी नागरिकों द्वारा परस्पर सहमति के आधार पर चुने गए प्रशासक से है। भारतीय परंपरा में गणपति को सभी देवताओं में अग्रणी, सर्वप्रथम पूज्य माना गया है। इस बात की प्रबल संभावना है कि इस शब्द की व्युत्पत्ति गणतांत्रिक राज्य में हुई हो। गणतंत्र की अवधारणा कहीं न कहीं वेदों की देन है। ऋग्वेद में सभा और समिति का जिक्र मिलता है जिसमें राजा, मंत्री और विद्वानों से विचार–विमर्श करने के बाद ही कोई फैसला लेता था। वैदिक काल में इंद्र का चयन भी इसी आधार पर होता था। इंद्र नाम का एक पद था जिसे राजाओं का राजा कहा जाता था। कौटिल्य अपने अर्थशास्त्र में लिखते हैं कि गणराज्य दो तरह के होते हैं, पहला अयुध्य गणराज्य अर्थात ऐसा गणराज्य जिसमें केवल राजा ही फैसले लेते हैं, दूसरा है श्रेणी गणराज्य जिसमें हर कोई भाग ले सकता है। कौटिल्य के पहले पाणिनी ने कुछ गणराज्यों का वर्णन अपने व्याकरण में किया है। पाणिनी की अष्ठाध्यायी में जनपद शब्द का उल्लेख अनेक स्थानों पर किया गया है, जिनकी शासन व्यवस्था जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों के हाथों में

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018

गाजियाबाद के रत्न

तीन

ज्ञानेन्द्र सिंह
अपर
जिलाधिकारी
प्रशासन

ज्ञानेन्द्र सिंह
अपर जिलाधिकारी
प्रशासन –

ज्ञानेन्द्र सिंह पेड़ पौधों के बहुत शौकीन हैं। पेड़ पौधों में इनकी जान बसती है। हरियाली एवं स्वच्छता के लिए इनका प्रयास हमेशा हर स्तर पर जारी रहता है। ज्ञानेन्द्र सिंह ने अपनी पूरी ताकत लगा रखी है की किस तरह गाजियाबाद को स्वच्छ एवं हरित बनाया जाये। गाजियाबाद में इन्होने जिलाधिकारी रितु माहेश्वरी के साथ मिलकर भूमाफियाओं के खिलाफ मुहिम छेड़ी है जिसमे जो भी जमीन हिण्डन के किनारे की मुक्त करवाई गई थी वहां पर कई एकड़ में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाकर उसे हरा भरा किया गया है। जब तिरँगा लगाने के लिए उत्थान समिति के चेयरमैन सत्येन्द्र सिंह ने इनसे मुलाकात की तो इन्होने पूरा सहयोग किया।

चार

ए आर
राही
प्रभारी
अधिकारी
उद्यान

ए आर राही
प्रभारी अधिकारी उद्यान

ए.आर. राही जिस तरह पार्कों एवं उद्यानों को सँवारने में सिद्धहस्त हैं उसी तरह कविताओं के भी शौकीन हैं तथा शेरो शायरी एवं कविताएँ उनका प्रमुख शौक है जिसे बहुत कम लोग ही जानते है। उनके दिल में एक ऐसा कलाकार बसता है जो पार्कों एवं उद्यानों को सँवारने के साथ गीत संगीत में भी सिद्ध हस्त है। वे तब तक अपने ऑफिस से नहीं उठते हैं जब तक एक भी फाइल उनकी मेज पर रहती है, वे नियम से रोज सभी फाइलों का निस्तारण करते रहते हैं।

यही उनकी सफलता का राज है।

कानून को बनाकर हथियार किया भ्रष्टाचार पर वार

नगर संवाददाता

गाजियाबाद। कर्म, धर्म सब जन सेवा है। इसी विचारधारा पर कदम रखते हुए राजेन्द्र त्यागी असमानता, अधिकार हनन और भ्रष्टाचार के खिलापफ आवाज बुलंद कर रहे हैं। इंसाफ की मशाल को रोशन कर रखा है। सूचना का अधिकारी और कानून उनका हथियार है। समाज में घर कर चुके असमानता का व्यवहार राजेन्द्र त्यागी को खटका। इसके विरोध में शासन से पत्राचार करने पर बात नहीं बनी तो वह हाईकोर्ट चले गए। उन्हें पता था कि सांसद, विधायक अपने जीवनकाल में एक ही बार विशेष लाभ ले सकते हैं। आरटीआई की मदद से उन्होंने पता किया कि इंदिरापुरम में कितने विधायकों ने दूसरी–तीसरी बार विशेष लाभों के तौर पर

इनका सेन्ट्रल पार्क राजनगर में तिरंगे को लगवाने से लेकर पार्क के सौन्दर्यीकरण में काफी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए जंग लड़े रहे हैं। संविधान की आत्मा को बरकरार रखने के लिए समानता के अधिकार पर हो रहे हमलों को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। बच्चों को शिक्षा का अधिकार दिलाने और हरियाली बचाकर लोगों को जीने का अधिकार दिलाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

इंदिरापुरम में वर्ष 2004–05 में विधायकों को पहली बार विशेष आरक्षण के तहत प्लॉट आवंटित किए गए। जन सामान्य के साथ यह प्लॉट आवंटन कराया। वह सूची उन्होंने सार्वजनिक कर दी। जिसके बाद उनके आवंटन निरस्त हुए। वह प्लॉट बाद में उन सामान्य लोगों को मिले जो जिन्होंने अपने सपनों का घर बनाने के लिए पाई–पाई जोड़ रखी थी। ऐसे ही मधुबन–बापूधाम में 2010 में एक आदेश पारित कर शासन ने विधायकों को प्लॉट आवंटि करा दिए। यह सरासर समाज में असमानता की ओर इशारा था। राजेन्द्र त्यागी ने 2014 में इस मुद्दे को उठाया और हाईकोर्ट चले गए। उनका तर्क है कि इस तरह से किसी को विशेष आरक्षण देकर लाभ नहीं दिया जा सकता कि उनकी यह लड़ाई जारी है।

❑ ताजा उदाहरणों में से एक स्वर्ण जयंती पुरम प्लॉट पुनः आवंटन और स्टांप घोटाला है। इसे उजागर करने वाले राजनगर निवासी राजेन्द्र त्यागी ही हैं। इन्होंने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की इस योजना में लोगों के हक के साथ हुए खिलवाड़ को न सिर्फ पकड़ा, उनके हक की लड़ाई को कोर्ट तक ले गए। उसी का नतीजा रहा कि बीते 19 दिसंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट में उत्तर प्रदेश शासन ने आदेश दिया इस मामले में लिप्त अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। उनके खिलाफ कार्रवाई कर अवगत कराने का आदेश भी दिया।

राजेन्द्र
त्यागी

पर्यावरण के लिए भी राजेन्द्र त्यागी समाज के सभी व्यक्तियों में से एक हैं। साईं उपवन की जमीन पर डंपिंग ग्राउंड बनाने के खिलाफ 2009 में उन्होंने आवाज बुलंद की थी। उन्हीं के प्रयास से डंपिंग ग्राउंड वहां से हटाया गया। बाद में उसी जगह इको पार्क डेवलप हुआ। जो आज तक मौजूद है। कविनगर और राजनगर में पार्क की जमीन को ग्रुपहाउसिंग के लिए दिए जाने का विरोध भी उन्होंने किया। उन्हीं के प्रयास से दोनों जगह हरियाली बरकरार है।

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

06 P.

गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018

लेबर लॉ एडवाइजर्स एसोसिएशन ने गाजियाबाद को भविष्य निधि कार्यालय मेरठ से स्थानांतरित कर नोएडा से जोड़ने की मांग की

सत्येन्द्र सिंह – अध्यक्ष
लेबर लॉ एडवाइजर्स
एसोसिएशन (उ.प्र.)

❑ गाजियाबाद जिले के नियोक्ताओं एवं श्रमिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है

विशेष संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद को भविष्य निधि कार्यालय–मेरठ से पृथक कर भविष्य निधि कार्यालय–नोएडा से जोड़े जाने को लेकर लेबर लॉ एडवाइजर्स एसोसिएशन (उ.प्र.) द्वारा एक पत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखा गया। प्रतिलिपि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त तथा श्रममंत्री संतोष गंगवार को भेजी गयी। जिसमें एसोसिएशन द्वारा गाजियाबाद को भविष्य निधि कार्यालय मेरठ से स्थानान्तरित कर नोएडा कार्यालय से जोड़ने की मांग की गई। पूर्व में एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह ने इस सम्बन्ध में केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को भी ज्ञापन दिया था।

लेबर लॉ एडवाइजर्स एसोसिएशन की इस मुहिम में गाजियाबाद इंडिस्ट्रीज फेडेरशन के अध्यक्ष अरूण शर्मा, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष सलभ गुप्ता, इंडस्ट्रियल एरिया मैन्यूफैक्चिरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश कुमार सिंघल सोमान्शु चावला, भारतीय ट्रेड यूनियन्स केन्द्र के महासचिव जेपी शुक्ला, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के मंत्री लीलाधर शर्मा, मोहन मिकिन लि0 मजदूर सभा के महासचिव तथा हिन्द मजदूर सभा गाजियाबाद के सचिव कर्मपाल, कविनगर इंडस्ट्रीयल एरिया मैन्यूफैक्चिरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि ठुकराल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मण्डल के जिला अध्यक्ष अशोक जिन्दल तथा मेरठ रोड़ इंडस्ट्रीयल एरिया एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय कपूर सहित आदि संगठनों ने मेरठ भविष्य निधि कार्यालय को मेरठ से प्रथक कर नोएडा भविष्य निधि कार्यालय से जोड़ने की मांग को लेकर केन्द्रीय भविष्य निधि नई दिल्ली, केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री रिट. जर्नल वी. के. सिंह तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पत्र लिखे हैं।

एसोसिएशन द्वारा प्रेषित पत्र में गाजियाबाद जिले के नियोक्ताओं एवं श्रमिकों की भविष्य निधि से सम्बन्धित समस्याओं को दर्शाया गया है। अक्सर गाजियाबाद जिले के नियोक्ताओं एवं श्रमिकों को अपने किसी भी भविष्य निधि से सम्बन्धित कार्य के लिए मेरठ जाना पड़ता है।

जिसमें उनका पूरा दिन खराब हो जाता है तथा उनका कार्य बाधित होता है वो अलग और मेरठ जाने के लिए उन्हें अवकाश लेना पड़ता है जिसका पैसा कटता है। फिर भी यह गारंटी नहीं होती है कि उनका काम एक ही चक्कर लगाने से हो जायेगा।

क्योंकि कई बार बाबू महीनों चक्कर लगवाने के बाद भी काम नहीं करते हैं। जिसका खामियाजा नियोक्ताओं एवं श्रमिकों को उठाना पड़ता है। मेरठ की गाजियाबाद से दूरी लगभग 65 किमी. है, वहीं नोएडा की दूरी मात्र 10 से 12 किमी.।

यदि भविष्य निधि कार्यालय मेरठ से स्थानांतरित होकर नोएडा भविष्य निधि कार्यालय से जुड़ जाता है तो, गाजियाबाद जिले के नियोक्ताओं एवं श्रमिकों को सुविधा होगी तथा उनका समय और पैसे की भी बचत होगी।

इस सम्बन्ध में एक प्रतिनिधिमण्डल खाद्य राज्यमंत्री अतुल गर्ग से भी मुलाकात कर ज्ञापन दे चुका है तथा खाद्य राज्यमंत्री अतुल गर्ग ने श्रममंत्री संतोष गंगवार को पत्र लिखकर इस बाबत अनुरोध भी किया है।

वहीं केन्द्रीय मंत्री वीके सिंह ने भी संतोष गंगवार को इस संबंध में अतिशीघ्र कार्यवाही करने के लिए पत्र लिखा है।

इस आंदोलन की बागडोर लेबर लॉ एडवाइजर्स एसेसिएशन (उ.प्र.) के अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह ने संभाल रखी है। उन्होंने कहा है कि इस वजह से नियोक्ताओं के साथ श्रमिकों का भी समय बर्बाद होता है एवं फिर भी उनका कार्य नहीं हो पाता है।

गाजियाबाद के नियोक्ताओं और श्रमिकों की समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए गाजियाबाद जिले को मेरठ भविष्य निधि कार्यालय से पृथक कर नोएडा भविष्य निधि कार्यालय से जुड़ने पर दोनों का ही समय और पैसा बचेगा तथा दूरी भी कम होगी जिससे नियोक्ता और श्रमिकों दोनों को राहत मिलेगी।

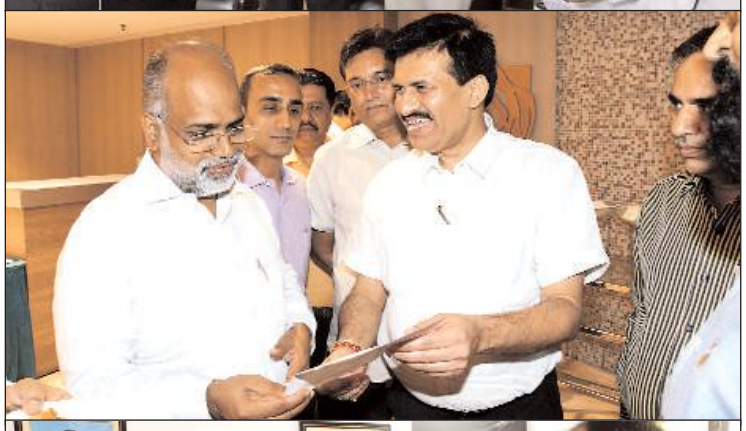

गाजियाबाद को भविष्य निधि कार्यालय–मेरठ से पृथक कर भविष्य निधि कार्यालय–नोएडा से जोड़े जाने के सम्बन्ध में केन्द्रीय मंत्री वीके सिंह, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त वीपी जॉय एवं खाद्य एवं रसद मंत्री अतुल गर्ग को लेबर लॉ एडवाइजर्स एसोसिएशन (उ.प्र.) के अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह, चेयरमैन आरसी माथुर, आईएस वर्मा, अशोक श्रीवास्तव ज्ञापन सौंपते हए। **फोटो : उद्योग विहार**

कर मुक्त हो सकती है 20 लाख तक की ग्रेच्युटी

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। सातवें वेतन आयोग में सरकारी कर्मचारियों के लिए कर मुक्त ग्रेच्युटी की सीमा 20 लाख रुपये कर दी गई थी। सूत्रों के मुताबिक, बजट सत्र में ग्रेच्युटी भुगतान (संशोधन) विधेयक, 2017 पेश किया जाएगा। इसे शीतक.ालीन सत्र में संसद के समक्ष रखा गया था। आगामी सत्र में इसके पारित होने की उम्मीद है। सरकार संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए भी सरकारी कर्मचारियों की ही तरह टैक्स छूट के दायरे में आने वाली ग्रेच्युटी की सीमा को 20 लाख रुपये करना चाहती है।

संसद से विधेयक पास होने के बाद सरकार को छूट के दायरे में आने वाली ग्रेच्युटी की सीमा को दोबारा तय करने की जरूरत नहीं रह जाएगी। फिलहाल संगठित क्षेत्र में काम करने वालों को पांच साल या उससे ज्यादा की सर्विस पर 10 लाख रुपये तक की ग्रैच्युटी पर टैक्स

छूट मिलती है। यह विधेयक पारित होने के बाद, सरकार को केंद्रीय कानून के तहत मातृत्व अवकाश की अवधि और ग्रैच्युटी को नोटिफाई करने की अनुमति मिल सकेगी। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने 18 दिसंबर, 2017 को लोकसभा में यह विधेयक पेश किया था। मौजूदा पेमेंट ऑफ ग्रैच्युटी एक्ट, 1972 को फैक्ट्रियों, खदानों, तेल क्षेत्रों, बंदरगाहों, रेलवे कंपनियों आदि संस्थानों में काम करने वाले कर्मचारियों के ग्रेच्युटी भुगतान के लिए लागू किया गया था। श्रम सुधारों की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सरकार बजट सत्र में वेज कोड (वेतन संहिता) विधेयक ला सकती है। यह सरकार की ओर से लाया जाने वाला पहला लेबर कोड होगा। इसके पारित होने के बाद सरकार विभिन्न क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन तय कर सकेगी। श्रम मंत्रालय 44 से ज्यादा श्रम कानूनों को समाहित करते हुए वेतन, औद्योगिक संबंधों, सामाजिक सुरक्षा और पेशेवर सुरक्षा की श्रेणी में चार संहिताएं लाने की तैयारी में है। वेज कोड इस दिशा में पहला कदम है। इस संबंध में मसौदा विधेयक अगस्त, 2017 में लोकसभा में रखा गया था। वहां से इसे सेलेक्ट कमेटी (प्रवर समिति) के पास भेज दिया गया था।

इस संहिता में पेमेंट ऑफ वेजेज एक्ट, 1936, मिनिमम वेजेज एक्ट, 1949, पेमेंट ऑफ बोनस एक्ट, 1965 और इक्वल रीम्यूनरेशन एक्ट, 1976 को समाहित किया गया है।

सहकारी बैंकों को नहीं मिलेगी आयकर में कोई छूट : जेटली

नई दिल्ली। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने मुनाफे वाले सहकारी बैंकों को आयकर में किसी भी तरह की छूट से इन्कार किया है। वित्त मंत्री ने लोकसभा में बताया कि सहकारी बैंक भी अन्य वाणिज्यिक बैंकों की तरह ही काम करते हैं। इसलिए उन पर भी वही नियम लागू होते हैं। एक प्रश्न के जवाब में जेटली ने कहा, 'सहकारी बैंक आयकर कानून की धारा 80पी के तहत छूट के अधिकारी नहीं हैं। इस धारा में छूट का आधार 'सहक.ारिता का सिद्धांत' है, लेकिन इन बैंकों का कामकाज इससे ज्यादा व्यापक है। आयकर लाभ पर टैक्स है। लाभ में चल रहे सहकारी बैंकों को छूट देना तार्किक नहीं है।'

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

एक नजर में

रात दस बजे से सुबह छह बजे तक लाउडस्पीकर पर पाबंदी

नगर संवाददाता

गाजियाबाद। रात में लाउडस्पीकर, वाद्य यंत्र, डीजे जैस अन्य म्यूजिक यंत्रों को बजाने की अनुमति नहीं मिलेगी। दिन में ही लाउड स्पीकर बजाने की अनुमति नियमानुसार दी जाएगी। इसके अलावा शहर को चार वर्गों में बांटकर गाइड लाइन जिलाधिकारी रितु माहेश्वरी ने जारी कर दिए हैं। मानकों व नियमों का कड़ाई से पालन कराने के लिए प्रशासन, पुलिस व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर निगम समेत अन्य अफसरों को आदेश जारी कर दिए गए हैं।

ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए उच्च न्यायालय के आदेश के बाद शासन द्वारा आदेश का पालन कराया जा रहा है। अभी तक लाउड स्पीकर बजाने के लिए व शादी समारोह में वाद्य यंत्र बजाने के लिए करीब छह सौ आवेदन किए गए हैं। 21 जनवरी से बिना अनुमति के लाउडस्पीकर बजते पाए जाने पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शहर को शांत, आवासीय, कामर्शियल, औद्योगिक क्षेत्र में वर्गीकृत कर ध्वनि की तीव्रता तय कर दी है।

स्वच्छता जागरूकता में देश के टॉप टेन शहरों में शामिल हुआ गाजियाबाद

नगर संवाददाता

गाजियाबाद। प्रदेश में नंबर वन होने के बाद स्वच्छता जागरुकता में गाजियाबाद देश के टॉप टेन शहरों में शामिल हो गया है। शुक्रवार को शहर 10वें स्थान पर पहुंच गया। रैंकग में एक पायदान का उछाल आया है। एक सप्ताह पहले तक 11वीं रैंकग थी। शहरी विकास मंत्रालय स्वच्छता एप डाउनलोड, उसके उपयोग और शिकायतों के निस्तारण के आधार पर रोजाना रैंकग जारी करता है। स्वच्छता जागरुकता के इस सर्वे में देश में ग्वालियर पहले पायदान पर पहुंच गया है। अहमदाबाद को तीसरे स्थान पर धकेल कर ग्वालियर ने यह मुकाम हासिल किया है। गाजियाबाद ने इंदौर को टॉप टेन से बाहर कर 10वां स्थान प्राप्त किया है।

4041 शहरों में स्वच्छता सर्वेक्षण 2018 किया जा रहा है। इसमें दस लाख से अधिक आबादी वाले 52 शहर शामिल हैं। एक से 10 लाख आबादी वाले 360 शहर। एक लाख से कम आबादी वाले 3912 शहरों का सर्वेक्षण चार जनवरी से शुरू हो चुका है। सर्वेक्षण में नगर निगम के डॉक्यूमेंटेशन के 1400 अंक हैं। फील्ड ऑब्जर्वेशन के 1200 और सिटीजन फीडबैक के 1400 अंक हैं। कुल 4000 अंकों का सर्वेक्षण हैं। डॉक्यूमेंटेशन में झूठ पकड़े जाने पर 440 अंक काटने का प्रावधान है।

स्मार्ट सिटी की रेस में फिर पिछड़ा जिला गाजियाबाद

गाजियाबाद। शहर के स्मार्ट सिटी बनने का सपना टूट गया है। शुक्रवार को शहरी विकास मंत्रालय ने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चौथे राउंड में चयनित नौ शहरों के नाम की घोषणा कर दी। उसमें गाजियाबाद को शामिल नहीं किया गया। इससे पहले तीन राउंड और फास्ट ट्रैक राउंड में प्रस्ताव भेजे जाने के बावजूद इसका चयन नहीं हो पाया था। सूत्रों की मानें तो कूड़ा निस्तारण का ठोस इंतजाम न होना और प्रदूषण का कलंक लगा होना इस शहर के लिए नकारात्मक साबित हो रहा है। नगर निगम ने पिछली बार बताई गई कमियों को दूर करने का प्रयास किया, जोकि विफल रहा। स्मार्ट सिटी प्रपोजल में दो मॉडल पर शहर का विकास प्रस्तावित था। वैशाली और वसुंधरा के 1056 एकड़ क्षेत्र में विकास होना था। इसे एरिया आधारित विकास (एबीडी) का नाम दिया गया था। जिस पर 1625.05 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित था। इस क्षेत्र के विकास के लिए 18 योजनाएं बनाई गई थीं। दूसरा मॉडल पैन सिटी का प्रस्तावित हुआ था।

डॉ. उदिता त्यागी के प्रयास से यूपी की रंगीन तस्वीरों से लोगों का स्वागत

डॉ. उदिता त्यागी

सीएस दिशा फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदिता त्यागी ने दिन रात एक करके तमाम स्कूलों के बच्चों के सहयोग से राजनगर एलीवेटेड रोड का खूबसूरत पेंटिंग से कायाकल्प कर दिया है तथा यूपी के प्रवेश द्वार की एक अत्यन्त खूबसूरत तस्वीर पेश की है। इसमें जिलाधिकारी रितु माहेश्वरी का महत्वपूर्ण योगदान है।

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

तिरंगे का इतिहास

भारत के राष्ट्रीय ध्वज जिसे तिरंगा भी कहते हैं, तीन रंग की क्षैतिज पट्टियों के बीच नीले रंग के एक चक्र द्वारा सुशोभित ध्वज है। इसकी अभिकल्पना पिंगली वैंकैया ने की थी। इसे 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता के कुछ ही दिन पूर्व 22 जुलाई, 1947 को आयोजित भारतीय संविधान–सभा की बैठक में अपनाया गया था। इसमें तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं, जिनमें सबसे ऊपर केसरिया, बीच में श्वेत ओर नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी है। ध्वज की लम्बाई एवं चौड़ाई का अनुपात 3:2 है। सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का एक चक्र है जिसमें २४ आरे होते हैं। इस चक्र का व्यास लगभग सफेद पट्टी की चौड़ाई के बराबर होता है व रूप सारनाथ में स्थित अशोक स्तंभ के शेर के शीर्षफलक के चक्र में दिखने वाले की तरह होता है।

राष्ट्रीय झंडा निर्दिष्टीकरण के अनुसार झंडा खादी में ही बनना चाहिए। यह एक विशेष प्रकार से हाथ से काते गए कपड़े से बनता है जो महात्मा गांधी द्वारा लोकप्रिय बनाया गया था। इन सभी विशिष्टताओं को व्यापक रूप से भारत में सम्मान दिया जाता हैं भारतीय ध्वज संहिता के द्वारा इसके प्रदर्शन और प्रयोग पर विशेष नियंत्रण है। ध्वज का हेराल्डिक वर्णन इस प्रकार से होता है।

परिचय

अशोक चक्र – गांधी जी ने सबसे पहले 1921 में कांग्रेस के अपने झंडे की बात की थी। इस झंडे को पिंगली वेंकैया ने डिजाइन किया था। इसमें दो रंग थे लाल रंग हिन्दुओं के लिए और हरा रंग मुस्लिमों के लिए। बीच में एक चक्र था। बाद में इसमें अन्य धर्मो के लिए सफेद रंग जोड़ा गया। स्वतंत्रता प्राप्ति से कुछ दिन पहले संविधान सभा ने राष्ट्रध्वज को संशोधित किया। इसमें चरखे की जगह अशोक चक्र ने ली। इस नए झंडे की देश के दूसरे राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने फिर से व्याख्या की।

21 फीट गुणा 14 फीट के झंडे पूरे देश में केवल तीन किलों के ऊपर फहराए जाते हैं। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में स्थित किला उनमें से एक है। इसके अतरिक्त कर्नाटक का नारगुंड किले और महाराष्ट्र का पनहाला किले पर भी सबसे लम्बे झंडे को फहराया जाता है।

1951 में पहली बार भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने पहली बार राष्ट्रध्वज के लिए कुछ नियम तय किए। 1968 में तिरंगा निर्माण के मानक तय किए गए। ये नियम अत्यंत कड़े हैं। केवल खादी या हाथ से काता गया कपड़ा ही झंडा बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। कपड़ा बुनने से लेकर झंडा बनने तक की प्रक्रिया में कई बार इसकी टेस्टिंग की जाती है। झंडा बनाने के लिए दो तरह की खादी का प्रयोग किया जाता है। एक वह खादी जिससे कपड़ा बनता है और दूसरा खादी–टाट। खादी के केवल कपास, रेशम और ऊन का प्रयोग किया जाता है। यहां तक की इसकी बुनाई भी सामन्य बुनाई से भिन्न होती है। ये बुनाई बेहद दुर्लभ होती है। इसे केवल पूरे देश के एक दर्जन से भी कम लोग जानते हैं। धारवाण के निकट गदग और कर्नाटक के बागलकोट में ही खादी की बुनाई की जाती है। जबकी हुबली एक मात्र लाइसेंस प्राप्त संस्थान है जहां से झंडा उत्पादन व आपूर्ति की जाती है। बुनाई से लेकर बाजार में पहुंचने तक कई बार बीआईएस प्रयोगशालाओं में इसका परीक्षण होता है। बुनाई के बाद सामग्री को परीक्षण के लिए भेजा जाता है। कड़े गुणवत्ता परीक्षण के बाद उसे वापस कारखाने भेज दिया जाता है। इसके बाद उसे तीन रंगो में रंगा जाता है। केंद्र में अशोक चक्र को काढ़ा जाता है। उसके बाद इसे फिर परीक्षण के लिए भेजा जाता है। बीआईएस झंडे की जांच करता है इसके बाद ही इसे बाजार में बेचने के लिए भेजा जाता है।

तिरंगे का विकास – यह ध्वज भारत की स्वतंत्रता के संग्राम काल में निर्मित किया गया था। 1857 में स्वतंत्रता के पहले संग्राम के समय भारत राष्ट्र का ध्वज बनाने की योजना बनी थी, लेकिन वह आंदोलन असमय ही समाप्त हो गया था और उसके साथ ही वह योजना भी बीच में ही अटक गई थी। वर्तमान रूप में पहुंचने से पूर्व भारतीय राष्ट्रीय ध्वज अनेक पड़ावों से गुजरा है। इस विकास में यह भारत में राजनैतिक विकास का परिचायक भी है। कुछ ऐतिहासिक पड़ाव इस प्रकार हैं –

प्रथम चित्रित ध्वज 1904 में स्वामी विवेकानंद की शिष्या भगिनी निवेदिता द्वारा बनाया गया था। 7 अगस्त, 1909 को पारसी बागान चौक (ग्रीन पार्क) कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) में इसे कांग्रेस के अधिवेशन में फहराया गया था। इस ध्वज को लाल, पीले और हरे रंग की क्षैतिज पट्टियों से बनाया गया था। ऊपर की ओर हरी पट्टी में आठ कमल थे और नीचे की लाल पट्टी में सूरज और चाँद बनाए गए थे। बीच की पीली पट्टी पर वंदेमातरम् लिखा गया था।ख1,

द्वितीय ध्वज को पेरिस में मैडम कामा और 1907 में उनके साथ निर्वासित किए गए कुछ क्रांतिकारियों द्वारा फहराया गया था। कुछ लोगों की मान्यता के अनुसार यह 1905 में हुआ था। यह भी पहले ध्वज के समान थाय सिवाय इसके कि इसमें सबसे ऊपर की पट्टी पर केवल एक कमल था, किंतु सात तारे सप्तऋषियों को दर्शाते थे। यह ध्वज बर्लिन में हुए समाजवादी सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया गया था।

1917 में भारतीय राजनैतिक संघर्ष ने एक निश्चित मोड़ लिया। डॉ० एनी बीसेंट और लोकमान्य तिलक ने घरेलू शासन आंदोलन के दौरान तृतीय चित्रित ध्वज को फहराया। इस ध्वज में 5 लाल और 4 हरी क्षैतिज पट्टियां एक के बाद एक और सप्ततऋषि के अभिविन्यास में इस पर सात सितारे बने थे। ऊपरी किनारे पर बायीं ओर (खंभे की ओर) यूनियन जैक था। एक कोने में सफेद अर्धचंद्र और सितारा भी था।

"यह ध्वज भारत की स्वतंत्रता के संग्राम काल में निर्मित किया गया था। 1857 में स्वतंत्रता के पहले संग्राम के समय भारत राष्ट्र का ध्वज बनाने की योजना बनी थी, लेकिन वह आंदोलन असमय ही समाप्त हो गया था और उसके साथ ही वह योजना भी बीच में ही अटक गई थी। वर्तमान रूप में पहुंचने से पूर्व भारतीय राष्ट्रीय ध्वज अनेक पड़ावों से गुजरा है।"

कांग्रेस के सत्र बेजवाड़ा (वर्तमान विजयवाड़ा) में किया गया यहाँ आंध्र प्रदेश के एक युवक पिंगली वैंकैया ने एक झंडा बनाया (चौथा चित्र) और गांधी जी को दिया। यह दो रंगों का बना था। लाल और हरा रंग जो दो प्रमुख समुदायों अर्थात हिन्दू और मुस्लिम का प्रतिनिधित्वं करता है। गांधी जी ने सुझाव दिया कि भारत के शेष समुदाय का प्रतिनिधित्व करने के लिए इसमें एक सफेद पट्टी और राष्ट्र की प्रगति का संकेत देने के लिए एक चलता हुआ चरखा होना चाहिए।

वर्ष 1931 तिरंगे के इतिहास में एक स्मरणीय वर्ष है। तिरंगे ध्वज को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया और इसे राष्ट्र–ध्वज के रूप में मान्यता मिली। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था। यह भी स्पष्ट रूप से बताया गया था कि इसका कोई साम्प्रदायिक महत्त्व नहीं था।

22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने वर्तमान ध्वज को भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। स्वतंत्रता मिलने के बाद इसके रंग और उनका महत्व बना रहा। केवल ध्वज में चलते हुए चरखे के स्थान पर सम्राट अशोक के धर्म चक्र को स्थान दिया गया। इस प्रकार कांग्रेस पार्टी का तिरंगा ध्वज अंततरू स्वतंत्र भारत का तिरंगा ध्वज बना।

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

धूमधाम से मनाया गया कबीर अन्तर्मन की आवाज कार्यक्रम

नगर संवाददाता

गाजियाबाद। कबीर ''अन्तर्मन की आवाज'' का आयोजन उत्थान समिति एवं रविंद्र प्रकाश पुंज के द्वारा आयोजित किया गया। जिसमे प्रख्यात गायिका विधी शर्मा ने कबीर के भजनों को नृत्य एवं संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पदमश्री अनूप जलोटा के साथ रविंद्र प्रकाश पुंज, उत्थान समिति के चेयरमैन सत्येंद्र सिंह, पंडित अजय प्रसन्ना जी ने दीप जलाकर किया। कार्यक्रम में एक म्यूजिक अल्बम ''पुष्पांजलि'' का विमोचन भी भजन सम्राट पदमश्री अनूप जलोटा द्वारा किया गया। कबीरा जब पैदा हुए, जग हँसे हम रोये। ऐसी करनी कर चलो, हम हँसें जग रोये। कबीर ने अत्यंत ही साधारण शब्दों में अपनी वाणी को शब्द दिए थे। वे एक कवी तो थे ही, उन्होंने अवधि, भोजपुरी एवं ब्रज को इतनी सरल भाषा में प्रस्तुत किया था की उसे कोई भी आसानी से समझ सकता था।

कार्यक्रम में कलाकारों ने इतनी शानदार प्रस्तुति दी की दर्शक मंत्रमुग्ध होकर कार्य्रक्रम में खो गए थे। नृत्य एवं संगीत के माध्यम से विधि शर्मा ने कबीर को साक्षात दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया तो भजन सम्राट अनूप जलोटा भी वाह वाह कर उठे। कार्यक्रम में संगीत पंडित अजय प्रसन्ना द्वारा दिया गया था तथा मैत्रयी पहाड़ी ने कोरिओग्राफी की थी।

उत्थान समिति के चेयरमैन सत्येन्द्र सिंह, एवं अजय प्रसन्ना

गायिका विधि शर्मा

पदमश्री अनूप जलोटा

रविन्द्र प्रकाश पुंज

कबीर ''अन्तर्मन की आवाज'' का आयोजन उत्थान समिति एवं रविंद्र प्रकाश पुंज के द्वारा आयोजित किया गया। जिसमे प्रख्यात गायिका विधि शर्मा ने कबीर के भजनों को नृत्य एवं संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पदमश्री अनूप जलोटा के साथ रविंद्र प्रकाश पुंज, उत्थान समिति के चेयरमैन सत्येंद्र सिंह, पंडित अजय प्रसन्ना जी ने दीप जलाकर किया।

साहित्य जगत के ''महानायक'' माने जाते हैं मोहन राकेश

मोहन राकेश हिंदी साहित्य के उन चुनिंदा साहित्यकारों में हैं जिन्हें नयी कहानी आंदोलन का नायक माना जाता है और साहित्य जगत में अधिकांश लोग उन्हें उस दौर का श्महानायकश कहते हैं। उन्होंने श्आषाढ़ का एक दिनश के रूप में हिंदी का पहला आधुनिक नाटक भी लिखा। कहानीकार, उपन्यासकार प्रकाश मनु भी ऐसे ही लोगों में शामिल हैं, जो नयी कहानी के दौर में मोहन राकेश को सर्वोपरि मानते हैं। मनु ने कहा, श्नयी कहानी आंदोलन ने हिंदी कहानी की पूरी तस्वीर बदली है। उस दौर में तीन नायक मोहन राकेश, कमलेश्वर और राजेंद्र यादव रहे। मैं मोहन राकेश को सबसे ऊपर मानता हूं। खुद कमलेश्वर और राजेंद्र यादव भी राकेश को हमेशा सर्वश्रेष्ठ मानते रहे।

राकेश का जन्म आठ जनवरी, 1925 को अमृतसर में हुआ। किशोरावस्था में सिर से पिता का साया उठने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और पढ़ाई जारी रखी। राकेश ने लाहौर स्थित पंजाब विश्व. विद्यालय से अंग्रेजी और हिंदी भाषा में एमए किया। एक शिक्षक के रूप में पेशेवर जिंदगी की शुरुआत करने के साथ ही उनका रुझान लघु कहानियों की ओर हुआ। बाद में उन्होंने कई नाटक और उपन्यास लिखे। मनु कहते हैं, श्मोहन राकेश की रचनाएं पाठकों और लेखकों के दिलों को छूती हैं। एक बार जो उनकी रचना को पढ़ता तो वह पूरी तरह से राकेश के शब्दों में डूब जाता है।

राकेश के उपन्यास अंधेरे बंद कमरे, श्ना आने वाला कल, अंतराल और बकलम खुद है। इसके अलावा आधे अधूरे, आषाढ़ का एक दिन और लहरों के राजहंसश उनके कुछ मशहूर नाटक हैं। लहरों के राजहंस नाटक का निर्देशन रामगोपाल बजाज और अरविंद गौड़ जैसे रंगमंच के बड़े नामों ने किया। श्उसकी रोटीश नामक कहानी राकेश ने लिखी, जिस पर 1970 के दशक में फिल्मकार मणि कौल ने इसी शीर्षक से एक फिल्म बनाई। फिल्म की पटकथा खुद राकेश ने लिखी थी। साहित्यकार प्रेम जनमेजय का कहना है, मोहन राकेश की रचनाओं में गजब की प्रयोगशीलता थी। उनके हर नाटक और उपन्यास में कुछ अलग है। एक महान लेखक होने के अलावा उनमें लेखकीय स्वाभिमान था। इसको लेकर वह विख्यात हैं। नयी कहानी दौर में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई।श हिंदी साहित्य में उनके अमूल्य योगदान के लिए राक. `श को 1968 में संगीत नाटक अकादमी सम्मान से नवाजा गया। 3 जनवरी, 1972 को महज 47 साल की उम्र में राकेश का निधन हो गया।

बच्चों को खेलों के प्रति जागरूक करने से होगा विकास : अतुल गर्ग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के महामाया स्टेडियम में प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों की जनपद स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें जनपद से सैकड़ों बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यमंत्री अतुल गर्ग एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी विनय कुमार ने गुब्बारे व श्वेत कबूतर उड़ाकर किया।कार्यक्रम में छोटे छोटे बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। मंगलवार को आयोजित खेल प्रतियोगिता में अतुल गर्ग ने कहा कि खेल बच्चों का ना सिर्फ शारी. रिक विकास करते हैं बल्कि उनका चहुंमुखी विकास होता है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी विनय कुमार ने प्रतिभाग कर रहे बच्चों और शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षण के साथ साथ इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है और साथ ही बच्चों में स्पर्द्धा की भावना का भी विकास होता है। शिक्षक संघ के प्रांतीय मंत्री डॉ अनुज त्यागी ने कहा कि बेसिक विद्यालयों के बच्चों में दक्षता की कोई कमी नहीं है। प्रतियोगिता में मुख्य रूप से 50 मी., 100मी., 200 व 400 मी. दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, कबड्डी, खो खो का आयोजन हो रहा है। इन प्रतियोगिताओं में स्थान पाने वाले बच्चे मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अधिकांश अधिकारी मौजूद थे।

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018

सर्दियों में संतरे खाना कितना फायदेमंद है यह जानकर हैरान रह जाएंगे!

यूं तो डॉक्टर हमेशा ही लोगों को मौसमी फलों का सेवन करने की सलाह देते हैं, लेकिन आमतौर पर लोग इनके फायदों से अनजान ही होते हैं। चूंकि अब सर्दियों के मौसम ने दस्तक दे दी है और बाजार में संतरे भी दिखने लगे हैं तो क्यों न अब संतरों का सेवन भी शुरू कर दिया जाए।

पर क्या आप इसके ढेरों फायदों के बारे में जानते हैं। चलिए आज हम आपका इसके कुछ फायदों से परिचय कराते हैं।

कम कैलोरी – सर्दियों में लोग जाने. अनजाने काफी कैलोरी का इनटेक कर लेते हैं। ऐसे में आपके कैलोरी लेवल को बैलेंस करने में संतरा काफी मददगार हो सकता है। यह जीरो फैट होता है और इसमें कैलोरी भी काफी कम मात्रा में पाई जाती है। इसलिए आप इसे सुबह के नाश्ते से लेकर शाम के स्नैक्स में किसी भी रूप में अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बढ़ाए स्किन की हेल्थ – संतरे में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है और विटामिन सी आपकी स्किन की हेल्थ के लिए काफी अच्छा होता है। यह आपकी स्किन के सूर्य और प्रदूषण के लगातार संपर्क में आने से होने वाले नुकसान की भी काफी हद तक भरपाई कर देता है। इसकी मदद से आपकी त्वचा पर मौजूद निशान भी काफी कम हो जाते हैं।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर – संतरे में एंटीऑक्सीडेंट्स भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो आपके शरीर के लिए बेहद आवश्यक होते हैं। संतरे में मौजूद एस्कॉर्बिक एसिड और बीटा कैरोटीन शरीर में कैंसर के खतरे को भी कम करते हैं।

करे रक्तचाप नियंत्रित – यह तो हम आपको पहले ही बता चुके हैं कि संतरे में एंटीऑक्सीडेंटस पाए जाते हैं, लेकिन शायद आपको यह नहीं पता हो कि संतरे के इसी गुण के कारण आपका रक्तचाप भी काफी हद तक नियंत्रित रहता है। इसलिए संतरे के रोजाना सेवन से आपको बीपी की समस्या होने की आशंका काफी कम हो जाती है और जो लोग पहले से ही बीपी के मरीज हैं, उन्हें भी इससे काफी फायदा पहुंचता है।

बनाए इम्युन सिस्टम बेहतर – कोई भी व्यक्ति बार.बार बीमार नहीं पड़ना चाहता। खासतौर से, ठंड के मौसम में बच्चों से लेकर बड़ों तक को सर्दी, खांसी व जुकाम की शिकायत रहती है। ऐसे में संतरे का सेवन काफी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। दरअसल, संतरे में मौजूद विटामिन सी आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर बनाते हैं, जिससे आपके बार.बार बीमार होने की संभावना काफी कम हो जाती है। इसलिए हर किसी को रोजाना कम से कम दो संतरे अवश्य खाने चाहिए।

नींद और सीखने की क्षमता में सुधार – आपको यह शायद जानकर हैरानी हो लेकिन एक साधारण सा दिखने वाला संतरा न सिर्फ आपकी नींद को बेहतर बनाता है, बल्कि यह आपके सीखने की क्षमता में भी काफी सुधार करता है। संतरे में मौजूद एंटी. ऑक्सीडेंट्स और फलेवोनोइड्स एक निश्चित न्यूरोट्रांसमीटर रिलीज करते हैं। जिससे आपकी नींद व सीखने की क्षमता बेहतर होती है। तो चलिए इंतजार किस बात का, आज से ही संतरों का सेवन शुरू कर दीजिए।

ग्लोइंग स्किन पाना चाहते हैं तो ये योगासन करेंगे आपकी मदद

पिछले कुछ समय में लोगों के बीच योगा का क्रेज काफी बढ़ा है। अब लोग अपनी परेशानियों का हल दवाइयों में नहीं, बल्कि योगासनों में ढूंढते हैं। योगाभ्यास न सिर्फ आपके फिजिकल व मेंटल स्ट्रेस को कम करके आपको बीमारियों से मुक्त कराता है, बल्कि यह आपके सौंदर्य को बढ़ाने में भी काफी मददगार है। आईए जानते हैं ऐसे ही कुछ योगासनों के बारे में, जो आपकी स्किन को रिजुविनेट करके आपको ग्लोइंग स्किन प्रदान करते हैं.

प्राणायाम – यह एक ब्रीदिंग एक्सरसाइज है। प्राणायाम के जरिए आप अपने अंदर के सिस्टम को बेहतर बनाते हैं, जिसका असर आपकी बाहरी स्किन पर भी पड़ता है। आपको प्रतिदिन कम से कम 15 से 20 मिनट तक प्राणायाम अवश्य करना चाहिए। आप कपालभाति प्राणायाम, अनुलोम.विलोम के अति. रिक्त शीतली व भ्रामरी प्रणायाम आदि भी कर सकती हैं।

उत्तानासन – इस आसन को करने के लिए आपको सीधे खड़े होकर आगे की ओर झुकते हुए अपने पैरों को होल्ड करना होता है। इस आसन से न सिर्फ आपकी बॉडी स्ट्रैच होती है, बल्कि आपके चेहरे की तरफ ऑक्सीजन व रक्त का प्रवाह भी तेजी से होता है। यह आसन आपके चेहरे से झुर्रियों, लाइन्स व मॉर्क्स हटाकर कोशिक. ाओं को दोबारा सक्रिय करता है। साथ ही डेड और डल सेल्स से भी लड़ता है। जिसके कारण आपका चेहरा खुद ब खुद ग्लो करने लगता है।

ताड़ासन – यह आसन करने में जितना आसान है, इसके फायदे उतने ही अधिक हैं। इस आसन को करने के लिए आपको अपने हाथों को अपने सिर के ऊपर ले जाकर ऊपर की ओर स्ट्रैच करना होता है। इस दौरान आपको खुद को पैरों की उंगलियों पर बैलेंस करना होता है। हालांकि शुरूआती दौर में ऐसा करने में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है लेकिन बाद में आप इसे आसानी से कर सकते हैं। यह आसन आपकी स्किन को डिटॉक्सीफाई करके एक हेल्दी व शाइनी स्किन प्रदान करती है। इस आसन की मदद से न सिर्फ आपकी स्किन में ग्लो आता है, बल्कि वह अंदर से हेल्दी भी होती है।

मत्स्यासन – इस आसन में आपका शरीर एक मछली की भांति दिखाई देता है। इस आसन को करने के लिए आप सर्वप्रथम सीधे पैर करके बैठ जाएं। अब पीछे की ओर झुकें। इस दौरान आपकी कमर नहीं केवल सिर ही जमीन को छूना चाहिए तथा इस स्थिति में आपका सिर आकाश की ओर नहीं, बल्कि आपके पैरों से विपरीत दिशा में होगा। यह आसन रक्त का बहाव आपके सिर की ओर बढ़ाता है, जिससे आपको हेल्दी व सुंदर स्किन प्राप्त होती है। बेहतर परिणाम पाने के लिए आप यह योगाभ्यास प्रतिदिन करें।

उत्कटासन – इस आसन के दौरान ऐसा लगता है मानो आप किसी कुर्सी पर बैठे हों। यह आसन आपकी हार्टबीट को तेज करके आपके रक्त के प्रवाह को बढ़ाता है। साथ ही इससे आपके खून को शुद्ध करने, टॉक्सिन हटाने और ऑक्सीजन पंप करने में भी मदद मिलती है। जिसके कारण आपका प्राकृतिक सौंदर्य निखरकर सामने आता है। इस आसन को करने के लिए आप सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं तथा हाथों को ऊपर रखें। अब अपने घुटनों को हल्का सा मोड़ें। इस अवस्था में 15.20 सेंकड रूकने के बाद पुनः सामान्य अवस्था में लौट आएं।

जी हाँ, चाय की चुस्कियां बना सकती हैं आपका कॅरियर भी!

भारत में ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनकी सुबह चाय की चुस्कियों के साथ ही होती है। एक कप बेहतरीन चाय उनका पूरा दिन बना देती है। वे चाय के स्वाद के साथ किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं करते। जिसके कारण टी इंडस्ट्री काफी तेजी से ग्रोथ कर रही है। शायद आपको पता न हो लेकिन दुनिया में चाय का उत्पादन करने वाले देशों में भारत अग्रणी स्थान पर है। इतना ही नहीं, चाय की खपत में भी भारत सबसे आगे है। ऐसे में अगर आप भी चाय की चुस्कियां लेते हुए अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं तो बतौर टी टेस्टर अपना एक बेहतरीन भविष्य देख सकते हैं। टी टेस्टर का मुख्य काम चाय का परीक्षण करना होता है। वह सिर्फ चाय को टेस्ट करके सिर्फ उसके स्वाद को ही नहीं पहचानता, बल्कि अन्य कंपनियों की चाय के स्वाद में अंतर भी बताता है। जब वह चाय के स्वाद का तुलनात्मक परीक्षण करता है तो अपनी कंपनी की चाय को बेहतर बनाने के हर संभव तरीकों का सुझाव भी पेश करता है। साथ ही वह लोगों की रूचि को ध्यान में रखते हुए चाय की चुस्कियों को बेहतर बनाने का हरसंभव प्रयास करता है।

स्किल्स – इस क्षेत्र में भविष्य देख रहे छात्रों की स्वाद ग्रंथि व सुंगध पहचानने की क्षमता बेहतर होनी चाहिए। साथ ही आपका प्रकृति प्रेमी होना भी बेहद आवश्यक है। आपको चाय बागान में चाय उगाने और उसे तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तृत जानकारी होनी चाहिए ताकि वह आवश्यक बदलाव करके संबंधित ब्रांड को अधिक बेहतर बना पाए। यूं तो इस क्षेत्र में कोई प्रोफेशनल कोर्स उपलब्ध नहीं है, लेकिन फिर भी अपनी क्षमताओं, गुणों व वैज्ञानिक ज्ञान को निखारने के लिए आप संबंधित संस्थानों से डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए आपका ग्रेजुएट होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त आप फूड साइंस, हॉर्टिकल्चर, एग्रीकल्चर साइंस या बॉटनी में शैक्षिक योग्यता प्राप्त करके भी इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं।

उद्योग विहार
निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र
E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018

अगर पाना चाहते हैं कॅरियर में सफलता, तो यह रहे बेहतरीन टिप्स

बहुत से लोग लाख कोशिशों के बाद भी अपने कॅरियर में उन ऊंचाइयों को नहीं छू पाते, जिनकी उन्हें ख्वाहिश होती है। अगर आपके प्रयास भी लगातार असफल हो रहे हैं तो आप कुछ तरीकों से सफलताओं के आसमान को छू सकते हैं..

हर व्यक्ति चाहता है कि उसे जीवन में सफलता प्राप्त हो। अपनी इस चाहत को पूरा करने के लिए व्यक्ति जी.तोड़ मेहनत भी करता है, लेकिन फिर भी बहुत से लोग लाख कोशिशों के बाद भी अपने कॅरियर में उन ऊंचाइयों को नहीं छू पाते, जिनकी उन्हें ख्वाहिश होती है। अगर आपके प्रयास भी लगातार असफल हो रहे हैं तो आप कुछ तरीकों से सफलताओं के आसमान को छू सकते हैं।

बंद करें बहाने बनाना – अगर आप वास्तव में अपने काम को लेकर सीरियस हैं तो खुद को एक्सक्यूस देना बंद करें। जब लोग अपना काम समय पर और सही तरीके से नहीं कर पाते तो वे कुछ एक्सक्यूस देने लगते हैं। यह बहाने सिर्फ आपके काम को ही नहीं, बल्कि आपके कॅरियर ग्राफ को भी प्रभावित करते हैं। साथ ही कुछ लोग अपने काम को दूसरों पर टालने के लिए इन बहानों का सहारा लेने लगते हैं। बाद में यह उनकी आदत में शुमार हो जाता है और वे कभी भी सफलता के द्वार नहीं खोल पाते। किसी भी काम में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले आपको खुद पर विश्वास होना आवश्यक है। जब आप स्वयं ही खुद पर भरोसा नहीं करेंगे तो फिर दूसरे आप पर भरोसा कैसे कर सकते हैं। अगर आपको लगता है कि आप अमुक काम नहीं कर पाएंगे तो खुद से कहें कि मैं यह कर सकता हूं और दूसरों से बेहतर कर सकता हूं। ऐसा करने से आपके भीतर आत्मविश्वास पैदा होगा। आत्मविश्वास ही वह गुण है जिससे आपकी क्षमताओं में भी इजाफा होता है।

फोकस है जरूरी – सफलता पाने का एक जरूरी मंत्र आपका फोकस भी है। जब तक आप सिर्फ अपने काम पर फोकस नहीं करेंगे, तब तक आप उसे बेहतर तरीके से नहीं कर पाएंगे। आपने अक्सर देखा होगा कि जो लोग अपने काम को लेकर फोकस होते हैं, उन्हें सफलता अन्य व्यक्तियों की अपेक्षा जल्दी प्राप्त होती है। आपके फोकस का सीधा असर आपके काम पर दिखाई देता है। साथ ही कभी भी दूसरों को देखकर ईर्ष्या न करें, बल्कि आपसे अधिक सफल व्यक्ति से प्रेरित हों। इससे आपका उत्साह दोगुना हो जाएगा। इतना ही नहीं, यह आपकी उर्जा को एक सकारात्मक दिशा भी प्रदान करेगा।

डर का सामना – बहुत से लोगों को अपने काम के दौरान बहुत से चौलेंजेस का सामना करना पड़ता है। अक्सर देखने में आता है कि लोग उन चौलेंजेस से बचने के लिए शॉर्टकट अपनाने की कोशिश करते हैं, जो उनके कॅरियर के लिए काफी घातक साबित होता है। अगर आप वास्तव में सफलताओं के शिखर पर जाना चाहते हैं तो आपको अपने डर का सामना करना पड़ेगा।

यह सच है कि जीवन में सब.कुछ आपकी प्लानिंग के हिसाब से नहीं होता लेकिन एक रूपरेखा आपके काम को आसान बनाती है।

अगर आप भी अपने काम से संबंधित प्लॉन करते हैं तो इससे आपका फोकस भी बढ़ता है और आप काम को बेहतर तरीके से अंजाम दे पाते हैं। यह आपके कॅरियर के लिए काफी फायदेमंद होता है।

किसी विषय पर बहस कर रहे हैं तो इस तरह जीत सकते हैं

कभी भी दो लोगों के विचार आपस में पूर्ण रूप से मिलें, ऐसा होना बेहद मुश्किल होता है। आमतौर पर, जब विचारों में मतभेद होता है तो दो लोगों के बीच बहस होना भी बेहद आम बात है। कभी.कभी बात इतनी हद तक बढ़ जाती है कि एक आम बहस बड़ी लड़ाई का रूप ले लेती है। जब भी बहस होती है तो दोनों पक्ष यही चाहते हैं कि जीत उन्हीं की हो।

कभी भी दो लोगों के विचार आपस में पूर्ण रूप से मिलें, ऐसा होना बेहद मुश्किल होता है। आमतौर पर, जब विचारों में मतभेद होता है तो दो लोगों के बीच बहस होना भी बेहद आम बात है। कभी.कभी बात इतनी हद तक बढ़ जाती है कि एक आम बहस बड़ी लड़ाई का रूप ले लेती है। जब भी बहस होती है तो दोनों पक्ष यही चाहते हैं कि जीत उन्हीं की हो। फिर चाहे बहस परिवार के सदस्य से हो या ऑफिस में कुलीग से। वैसे बिना दूसरे का दिल दुखाए किसी भी बहस को जीतना भी वास्तव में एक कला है। तो आईए जानते हैं इस तरीके के बारे में.

सुनना सीखें – किसी भी बहस को जीतने का एक मूलमंत्र बोलना नहीं बल्कि सुनना है। किसी भी बहस में प्रत्येक पक्ष पहले अपनी बात को रखना चाहता है। ऐसे में कोई भी दूसरे के प्वाइंट ऑफ व्यू को समझ नहीं पाता और बहस किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंचती। इस स्थिति से बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सबसे पहले शांतिपूर्वक दूसरे की बात सुनें। जब आप दूसरे का पक्ष शांति से सुनेंगे तब सामने वाला व्यक्ति काफी हद तक शांत हो जाएगा और फिर आप भी उसे अपना पक्ष समझा पाएंगे। जब आप एक.दूसरे के नजरिए को समझ जाएंगे, तब आपकी बहस खुद.ब.खुद खत्म हो जाएगी।

समझें शारीरिक भाषा – ऐसा जरूरी नहीं है कि आपका प्रतिद्वंद्वी आपको सिर्फ बोलकर ही अपना पक्ष समझाए। कभी.कभी उसकी बॉडी लैंग्वेज भी बहुत कुछ बयां करती है। सबसे पहले आप उसे समझने का प्रयास करें। साथ ही आप उसकी बॉडी लैंग्वेज की कॉपी भी कर सकते हैं। मसलन, अगर आपका प्रतिद्वंद्वी क्रॉस.लेग करके बैठा हुआ है तो आप भी ऐसा ही कर सकते हैं। लेकिन हर मूवमेंट को कॉपी न करें। यह देखने में न सिर्फ अननेचुरल लगता है, बल्कि इससे बहस बढ़ने की संभावना भी रहती है।

आई कॉन्टैक्ट – जब भी आप किसी से बात करें तो अपना आई कॉन्टैक्ट बनाकर रखें। जब आप किसी की आंखों में आंखें मिलाकर बात करते हैं तो इससे आपकी बातों में आत्मविश्वास झलकता है। साथ ही आपका आत्मविश्वास सामने वाला व्यक्ति भी महसूस कर पाता है और वह आसानी से आपकी बातों पर भरोसा करता है।

नीची रखें आवाज – आमतौर पर देखने में आता है कि जब भी किसी की बहस होती है तो उसकी आवाज खुद.ब.खुद तेज हो जाती है।

ऑर्गूमेंट का यह तरीका न केवल गलत है, बल्कि इससे आप अपना प्वाइंट ऑफ व्यू भी दूसरों को नहीं समझा पाते। बहस के दौरान हमेशा अपने माइंड को कंट्रोल रखें तथा अपने गुस्से व डर को खुद पर हावी न होने दें। याद रखें कि आपकी आवाज नहीं बल्कि शब्दों में वजन होना चाहिए।

न अपनाएं साइलेंस – जब भी पति.पत्नी में बहस होती है तो अक्सर महिलाएं अपनी बात मनवाने के लिए साइलेंस का सहारा लेती है। लेकिन यह अप्रोच बेहद गलत है। नकारात्मक चुप्पी आपके रिश्ते को अंदर से खोखला बनाती है।

ऐसा करने से भले ही आप अपनी बात मनवा लेती हो लेकिन इससे आपके रिश्ते में दरार आती है। इसलिए कभी भी अपनी बात मनवाने के लिए नकारात्मक रवैया इख्तियार न करें। एक हेल्दी बातचीत न सिर्फ आपके रिश्ते को मजबूत बनाती है, बल्कि इससे आप अपनी बात भी आसानी से मनवा सकते हैं।

उद्योग विहार
निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र
E-mail : udyogviharnp@yahoo.com
गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018

दिल्ली में सीलिंग के खिलाफ 7 लाख व्यापारियों के बंद को भाजपा और आप का समर्थन

नई दिल्ली। दिल्ली में आप आदमी पार्टी के विधायकों को लेकर जारी घमासान के बीच राजधानी के व्यापारी सड़कों पर उतर आए हैं। दरअसल पिछले कुछ समय से एमसीडी द्वारा जारी सीलिंग की कार्रवाई से नाराज यह व्यापारी इसके विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने मंगलवार को दिल्ली में बंद बुलाया है। मुश्किलों से जूझ रही आम आदमी पार्टी ने व्यापारियों के इस बंद को समर्थन दिया है।

खबरों के अनुसार व्यापारियों के संगठन कैट ने मंगलवार को दिल्ली व्यापार बंद करने का एलान किया है। कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का मानें तो सुप्रीम कोर्ट के आदेश की आड़ में दिल्ली नगर निगम कानून 1957 के मूलभूत प्रावधानों को ताक पर रख सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने व्यापारियों के साथ खड़े होने का एलान किया है। आम आदमी पार्टी आज सड़कों पर उतरेगी। पार्टी की तरफ से इस व्यापक बंद का नेतृत्व पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली संयोजक गोपाल राय करेंगे।

विपक्ष दल भाजपा ने भी बंद को समर्थन देने का एलान किया है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि पार्टी व्यापारियों की पीड़ा समझती है, इसलिए व्यापारियों के दिल्ली बंद को पार्टी नैतिक समर्थन देगी। उन्होंने कहा है कि हम निगरानी समिति से व्यापारियों की

समस्या को मानवीय दृष्टिकोण से देखने की अपील कर रहे हैं।

वहीं, कारोबारियों को सीलिंग से किसी प्रकार की राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। मॉनिटरिंग कमेटी के आदेश पर सोमवार को दुक. ानें बंद होने के बावजूद उत्तरी और दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने 124 संपत्तियों पर सीलिंग की कार्रवाई की। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने हौजखास में 38 संपत्तियों पर सीलिंग की कार्रवाई की तो उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने केशवपुरम जोन में दो स्थानों पर 13 संपत्तियों को सील कर दिया। वहीं, पहाड़गंज जोन में गोखले मार्केट में दस संपत्तियों में सीलिंग की कार्रवाई हुई। नियमों के खिलाफ व्यावसायिक गतिविधि संचालित होने पर यहां बेसमेंट, प्रथम तल और द्वितीय तल पर सीलिंग की गई। सिविल लाइंस जोन में पांच दुकानों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। यहां पर भी बेसमेंट और प्रथम तल को सील किया गया। इसके अलावा करोलबाग जोन के तहत रमेश नगर मार्केट, ओल्ड राजेंद्र नगर मार्केट, एमसीडी मार्केट, ओल्ड रमेश नगर मार्केट, न्यू रमेश नगर मार्केट में सीलिंग की कार्रवाई हुई।

इन जगहों पर कुल 58 संपत्तियों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। करोलबाग में एक लोकल शॉपिंग कांप्लेक्स में भी सीलिंग की कार्रवाई होनी है। इसमें स्थित बैंकों की शाखाओं को दो दिन का समय दिया गया है।

निगम के अधिकारी का कहना है कि इन बैंकों ने संपत्ति के बेसमेंट में भी व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की है। दो दिन में इन्हें अपना सामान यहां से निकालने के लिए कहा गया है। इसके बाद इसे सील कर दिया जाएगा। करोलबाग में सीलिंग के दौरान निगम अधिकारी मानवता के आधार पर कुछ लोगों को सामान निकालने की मोहलत दे रहे थे, लेकिन कई जगह लोगों को मोहलत नहीं मिली। कोई व्यक्ति डायरी और फाइल लेकर निकल रहा था तो कोई खाने के बर्तन और कंप्यूटर हाथ में लेकर बाहर निकल रहा था। कई स्थानों पर आधा दर्जन ऐसे कोचिंग संस्थान भी सील किए गए जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराते हैं।

प्रधानमंत्री का संबोधन सभी भारतीयों के लिये गर्व का विषयरू अमित शाह

नयी दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने विश्व आर्थिक मंच के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को सभी भारतीयों के लिये गर्व का विषय करार दिया और कहा कि देश पूरी दुनिया के लिये अवसर प्रदान कर रहा है। अमित शाह ने अपने ट्वीट में कहा कि दावोस में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने सही अर्थो में भारतीयों की ताकत और आकांक्षाओं की तस्वीर पेश की है।

उन्होंने कहा कि भारत पूरी दुनिया के लिये अद्भुत अवसर पेश करता है। भारत सम्पत्ति से लेकर आरोग्य, स्वास्थ्य से जीवन की सम्पूर्णता, समृद्धि से शांति का अवसर प्रदान करता है। भारत सभी का स्वागत करता है।

सेल्फी का शौक है तो संभलें, कहीं आखिरी फोटो न बन जाये

विश्व की उभरती हुई गंभीर समस्याओं में प्रमुख है मोबा. इल कैमरे के जरिए सेल्फी लेना। इन दिनों मोबाइल कैमरे के जरिए सेल्फी यानी अपनी तस्वीर खुद उतारने के शौक के जानलेवा साबित होने की खबरें आए दिन सुनने को मिल रही हैं। नई पीढ़ी इस जाल में बुरी तरह कैद हो गयी है। आज हर कोई रोमांचक, हैरानी में डालने वाली एवं विस्मयकारी सेल्फी लेने के चक्कर में अपनी जान की भी परवाह नहीं कर रहे हैं। कोई जल में छलांग लगाते हुए तो कोई सांप के साथ, कोई शेर, बाघ, चीता के साथ तो कोई हवा में झूलते हुए, कोई आग से खेलते हुए तो कोई मोटरसाईकिल पर करतब दिखाते हुए सेल्फी लेने के लिये अपनी जान गंवा चुके हैं। लेकिन इसी मंगलवार को ओड़िशा के रायगढ़ जिले में सेल्फी लेने के क्रम में एक महिला और उसके बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। लेकिन हैरानी की बात यह है कि लोग ऐसी घटनाओं से कोई सबक नहीं लेते और सरकारें भी मूकदर्शक बन इन हादसों को देख रही हैं।

ओड़िशा की ताजा घटना में महिला अपने परिवार के साथ नागावली नदी के पुल पर घूमने गई थी। वहीं अपनी बेटी और बेटे के साथ कुछ तस्वीरें लेने के क्रम में तीनों फिसल कर नदी में गिर गए। स्थानीय लोगों ने किसी तरह बेटी को तो बचा लिया, लेकिन महिला और उसका बेटा डूब गए। किसी हादसे में हुई मौतों में हालात के कई पहलू होते हैं। लेकिन सेल्फी की वजह से हुई मौतें इसलिए ज्यादा दुखद हैं कि ये महज शौक के चलते बरती गई लापरवाही का नतीजा होती हैं। सेल्फी के बढ़ते प्रचलन, उससे हो रही दर्दनाक मौतें किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं है, यह एक अन्तर्राष्ट्रीय समस्या बनती जा रही है। इस दीवानगी को ओढ़ने के लिये प्रचार माध्यमों ने तो गुमराह किया ही है, लेकिन सोशल साइट्स भी भटका रही हैं। इस जानलेवा महामारी को समय रहते नहीं रोका गया तो आने वाले समय में हर व्यक्ति को यह त्रासद एवं डरावनी मौत का शौक प्रभावित कर सकता है। इस पर जनजागृति अभियान चलाये जाने एवं सरकार द्वारा प्रतिबंध की व्यवस्था किये जाने की जरूरत है।

सेल्फी का चलन किशोरों व युवाओं के सिर चढ़ कर बोल रहा है। खतरनाक एवं रोमांचक सेल्फी लेने की होड़ मची है। हर कोई क्रेजी हो रहा है। रोमांचक सेल्फी के लिए जब जान का जोखिम उठाया जाता है तो यह जुनून अक्सर जानलेवा साबित होता है। आज के दौर में सेल्फी युवाओं व किशोरों के लिए फैशन व जुनून बन गई है। वे अपनी मनचाही तस्वीरें खींचते हैं और सोशल नेटवर्किंग साइट्स के अलावा व्हाट्सऐप पर अपने दोस्तों से शेयर करते हैं। इसमें उन की खुशियां, फैशन और आधुनिक होने के भाव झलकते हैं, इस में कोई दो राय नहीं कि अपनी तस्वीरें लेने का सबसे बेहतरीन और आसान तरीका सेल्फी ही है। यह सुनहरा पहलू है, लेकिन दूसरा चिंताजनक पहलू यह है कि भारत में सेल्फी से होने वाली मौतों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। स्थिति उनके लिए और भी खतरनाक है जो सेल्फी के लिए सारी हदों को लांघ जाते हैं। वे भूल जाते हैं कि जिंदगी की अहमियत एक सेल्फी से कहीं ज्यादा होती है। कई घटनाओं में पाया गया कि जिन लोगों में सेल्फी का भूत सवार हैं, वे मानसिक रूप से

अस्वस्थ थे। खतरनाक सेल्फी लेने की होड़ में कब किस की सेल्फी आखिरी साबित हो जाए इस को कोई नहीं जानता।

इसके खतरनाक रूप सामने आने के बाद युवाओं को खतरों से बचाने के लिए अब कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। समुद्र के आसपास, नदी के किनारे, ऊंचे पुलों, पहाड़ों एवं रेलवे की पटरियों के आसपास ऐसी चेतावनियां दी जाती हैं कि यहां सेल्फी लेना मना है। रेलवे ने पटरियों को 'नो सेल्फी जोन' घोषित कर दिया है। ऐसा करने वालों को जेल की हवा खाने के साथ जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। यात्रियों को खतरों से आगाह भी किया जा रहा है क्योंकि ट्रेन में सफर करते समय खतरनाक तरीके से व पटरी पर सेल्फी लेना युवाओं की मौत का सबब बनता जा रहा है। एक साल पहले सेल्फी के चक्कर में मथुरा में 3 युवकों याकूब, इकबाल व अफजल को अपनी जान गंवानी पड़ी। तीनों जानलेवा जोखिम उठा कर चलती ट्रेन के सामने सेल्फी लेने लगे। चालक के हॉर्न देने पर भी वे नहीं हटे और ट्रेन की चपेट में आ गए। इनके अलावा और भी कई अफसोसजनक, दर्दनाक हादसे हुए हैं। इसलिये ऐसी सावधानियां एवं प्रतिबंध सेल्फी दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में लागू करना नितान्त अपेक्षित है।

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018

उत्तर प्रदेश में 8 फरवरी से 20 मार्च तक चलेगा विधानसभा सत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 8 फरवरी से शुरु होगा। यह सत्र काफी हंगामेदार रहने की उम्मीद है, जिस तरह से लखनऊ में डकैती,हत्या और लूटपाट की घटनाएं और पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति चरमराई हुई है, उसको लेकर विपक्ष आक्रमक मूड में नजर आ रहा है। सत्र में मुख्य रूप से वित्तीय वर्ष 2018–19 का बजट पेश होना है। उल्लेखनीय है कि राज्य विधान मण्डल के दोनों सदनों को 14 दिसम्बर 2017 को आहूत किया गया था। 22 दिसम्बर, 2017 इसे अनिश्चित के लिए स्थगित कर दिया गया था।

इसके पश्चात विधान सभा व विधान परिषद का सत्रावसान भी 11 जनवरी, 2018 को करा दिया गया था। राज्य विधान मण्डल के दोनों सदनों का आगामी सत्र वर्ष 2018 का प्रथम सत्र होगा, जो संविधान के अनुच्छेद 176 की अपेक्षानुसार एक साथ समवेत दोनों सदनों के समक्ष सूबे के राज्यपाल रामनाईक के अभिभाषण से प्रारम्भ होगा।

गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान ही 20 और 21 फरवरी को इन्वेस्टर समिट का भी आयोजन किया जा रहा है। विधानसभा का बजट सत्र आठ फरवरी से 20 मार्च तक चलना है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 23 जनवरी को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में बजट सत्र की तारीखों को मंजूरी दी।

इस बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए सरकार के प्रवक्ता और स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा, 'सत्र के दौरान बजट कब पेश होगा इसका फैसला सदन की कार्यमंत्रणा समिति करेगी. बजट की तारीख के बारे में जानकारी भी वही देगी।

प्रदूषण रोकने के लिए दिल्ली NCR में पेट्रोलियम कोक के आयात पर सीमित रोक

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्रालय ने दिल्ली और एनसीआर में पेट कोक के आयात पर सीमित रोक लगा दी है। इस क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण पर रोक लगाने के प्रयासों के तहत यह फैसला लिया गया है। पर्यावरण मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा है कि अब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सिर्फ पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों को पेट कोक के सीधे आयात की इजाजत होगी।

इसके अलावा इकाइयों को सिर्फ अपने इस्तेमाल के लिए इसका आयात करने दिया जाएगा। सीमेंट फैक्ट्रियों और दूसरी इकाइयों को इसके इस्तेमाल के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से इजाजत लेनी होगी। उल्लेखनीय है कि भारत पेट कोक का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। अपनी जरूरत का आधे से ज्यादा पेट कोक भारत अन्य देशों से मंगाता है। इसका सबसे ज्यादा आयात अमेरिका से किया जाता है। इसके अलावा इंडियन ऑयल, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारत पेट्रोलियम स्थानीय इसके स्थानीय उत्पादक हैं। पिछले साल दिसंबर में भारत सरकार ने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा देकर कहा था कि वह देशभर में इसके आयात पर प्रतिबंध के पक्ष में है।

क्या है पेट कोक – यह ऑयल रिफाइनिंग प्रक्रिया में बचा हुआ अंतिम ठोस पदार्थ होता है। इसे पेट्रोलियम कोक भी कहते हैं। इसे एल्युमीनियम व स्टील उद्योगों और कोयला आधारित बॉयलरों में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें कार्बन की मात्रा 90 फीसद होती है। यह साधारण कोयले से 11 फीसद तक अधिक कार्बन उत्सर्जन करता है। यह उत्सर्जन महीन कण के रूप में वातावरण में फैलता है।

टीडीएस जमा नहीं करने पर कोर्ट ने कारोबारी को भेजा जेल

नई दिल्ली। अपने कर्मचारियों की आय से टीडीएस काटकर सरकार के खाते में जमा नहीं करने पर दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने एक कारोबारी को न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया। इस कारोबारी पर आरोप है कि उसने तीन साल में एक करोड़ रुपए से अधिक टीडीएस (टैक्स डिडक्शन एट सोर्स) सरकार के खाते में जमा नहीं कराया। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि कारोबारी ने लोगों को किए गए भुगतान में से टीडीएस तो काट लिया, लेकिन उसे सरकार के खाते में जमा नहीं कराया। उसने वित्त वर्ष 2013–14 में 45.68 लाख रुपए, वित्त वर्ष 2014–15 में 35.45 लाख रुपए और वित्त वर्ष 2015–16 में 33.36 लाख रुपए टीडीएस सरकार के खाते में जमा नहीं किया।

उपराष्ट्रपति नायडू बोले, युवाओं के लिए जरूरी है नौकरी उपलब्ध कराना

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने आज कहा कि मध्य वर्ग का विकास भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए एक अहम पहलू है और नौकरी सृजन करके अपनी जनसांख्यिकी का पूरा फायदा उठाना वक्त की जरूरत है। नायडू ने यह भी कहा कि भारत को कर जीडीपी अनुपात को सुधारना चाहिए और कर चोरी पर नकेल कसनी चाहिए जबकि करदाताओं का बेवजह उत्पीड़न नहीं होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि, 'मध्य वर्ग का विकास आगामी सालों में भारत की आर्थिक वृद्धि का एक अहम पहलू होगा। भारत की बड़ी आबादी है और इसमें करीब 65 फीसदी लोग 35 वर्ष से कम उम्र के हैं। लिहाजा वक्त की जरूरत है कि युवा आबादी के लिए नौकरी के पर्याप्त मौके सृजन करके जनसांख्यिकी का पूरा फायदा उठाया जाए।' वह केशव मेमोरियल इंस्टिट्यूट ऑफ कॉमर्स एंड साइंस की ओर से आयोजित कंटेम्पेरेरी इशूज एंड चेलेंजेज इन फाइसेंस,

मार्केटिंग एंड टैक्ससेशन' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि लाखों छात्रों का सिर्फ डिग्री लेना ही काफी नहीं है बल्कि उन्हें 'जीवन कौशल' भी सीखाना चाहिए। नायडू ने कहा कि आर्थिक सुधार के पहले दो अहम चरण पीवी नरसिम्ह राव और अटल बिहारी वाजपयी की अगुवाई वाली सरकारों ने किए जबकि सुधार का तीसरा चरण मौजूदा सरकार कर रही है जो अर्थव्यवस्था को बदल रही है। उन्होंने कहा सरकारी बैंकों के 2.11 लाख करोड़ रुपये के पुनरू पूंजीकरण कार्यक्रम से ऋण की मांग और निवेश बढ़ेगा।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि नोटबंदी और माल एवं सेवा कर का एक मुख्य लक्ष्य कर अनुपालन को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि औपचारिक अर्थव्यवस्था के विस्तार से कर संग्रह में वृद्धि होगी और उच्च राजस्व का इस्तेमाल जरूरी बुनियादी ढांचे का निर्माण करके विकास के कामों को बढ़ाने में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, 'कर चोरी से सख्ती से निपटा जाना चाहिए जबकि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उत्साही अधिकारियों द्वारा करदाताओं का अनावश्यक उत्पीड़न नहीं हो।' उपराष्ट्रपति ने कहा कि जीएसटी ने अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को बदला है और यह कई करों की जगह एक कर की व्यवस्था लेकर आया है।

दिल्ली : पटाखा फैक्ट्री में आग, "...कुछ नहीं कह सकते" कहकर घिरीं भाजपा की मेयर

नई दिल्ली। बवाना इंडस्ट्रियल एरिया की फैक्ट्रियों में लगी भीषण आग की वजह से 17 लोगों की मौत हो गई। इस घटना पर पीएम मोदी ने ट्वीट कर दुख जताया है, वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घटना के जांच के आदेश दे दिए हैं। इस बीच भाजपा नेता और एनडीएमसी मेयर प्रीति अग्रवाल का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे अपने सहयोगी से फुसफुसाते हुए कुछ कह रही हैं। इसमें सुनाई दे रहा है कि वे अपने सहयोगी से कह रही हैं कि इस फैक्ट्री की लाइसेंसिंग हमारे पास है इसलिए हम कुछ नहीं कह सकते।

उनका यह वीडियो दिल्ली के सीएम

अरविंद केजरीवाल ने रिट्वीट कर दिया है। इसके बाद मामले पर राजनीतिक रोटियां सिकने लगीं हैं। एक तरफ जहां आप के नेता भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं, वहीं भाजपा नेता इसे आप की साजिश बता रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के बारे में एनडीएमसी मेयर प्रीति अग्रवाल ने कहा कि मैंने अपने सहयोगी से सिर्फ फैक्ट्री के बारे में जानकारी मांगी थी और इतना कहा था कि इस समय इस दुखद घटना के बारे में कुछ नहीं कह सकते। इसके साथ ही प्रीति अग्रवाल ने कहा कि यह इंडस्ट्रियल एरिया क्प्क्ब् के क्षेत्र में आता है और दिल्ली सरकार ही इसका भू–आवंटन करती है। उन्हें देखना चाहिए कि यहां काम हो रहा है। क्या ऐसे फर्जी वीडियो को वायरल करना और जनता को बेवकूफ बनाना सही है? यह निंदनीय है और अरविंद केजरीवाल जी से आशा करती हूं कि वे इसके लिए खेद व्यक्त करेंगे।

शनिवार शाम करीब 6 बजकर 20 मिनट पर सबसे पहले बवाना सेक्टर 5 की एक पटाखा फैक्ट्री के बेसमेंट और फर्स्ट फ्लोर पर लगी और तेजी से फैलती गई। आग पर काबू पा लिया गया लेकिन 17 लोगों की जानें चली गईं। घटना के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर हादसे पर दुख जताया और कहा कि वह बचाव अभियानों पर नजर रख रहे हैं। सीएम ने हादसे में मारे गए लोगों के लिए 5 लाख रुपए और घायलों के लिए 1 लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की है। घटनास्थल और महर्षि वाल्मिकी अस्पताल में घायलों को देखने डॉ. हर्षवर्धन भी पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी घटना पर शोक जताया।

उद्योग विहार
निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र
E-mail : udyogviharnp@yahoo.com
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018

चारा घोटाला : चाईबासा कोषागार केस में लालू को 5 साल की सजा, 5 लाख जुर्माना

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। चारा घोटाले के तीसरे केस में रांची की विशेष सीबीआई कोर्ट ने राजद नेता लालू यादव को दोषी ठहराते हुए 5 साल की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने उन पर 5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। लालू के अलावा जगन्नाथ मिश्र को भी 5 साल की सजा और 5 लाख रुपए जुर्माने का ऐलान किया गया है।

इससे पहले दिन में सीबीआई कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एसएस प्रसाद ने चाईबासा कोषागार से 33.67 करोड़ रुपए की अवैध निक. ासी के केस में लालू प्रसाद यादव समेत 50 आरोपियों को दोषी ठहराया। दोषियों में जगन्नाथ मिश्र भी थे। कोर्ट के फैसले का बाद तेजस्वी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि लोग जानते हैं कि कैसे आरएसएस और भाजपा के अलावा मुख्य रूप से नीतीश कुमार लालू जी के खिलाफ षडयंत्र रचा है। हम इन सभी फैसलों के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे।

बता दें कि चाईबासा कोषागार से 33 करोड़, 67 लाख 534 रुपये की अवैध निकासी को लेकर प्राथमिकी दर्ज थी। निकासी 1992 से 93 के बीच हुई थी। राजनीतिक नेता, पशुपालन अधिकारी व आईएएस अधिकारियों की मिलीभगत से 67 जाली आवंटन पत्रों पर 33 करोड़ 67 लाख 534 रुपये की निकासी कर ली गई। जबकि मूल आवंटन 7.10 लाख रुपये ही था।

चाईबासा कोषागार से अवैध निकासी से संबंधित मामले में 12 दिसंबर, 2001 को 76 आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की गई थी। ट्रायल के दौरान 14 आरोपियों की मौत हो चुकी है, वहीं तीन आरोपी सरकारी गवाह बन गए।

दो आरोपियों ने दोष स्वीकार कर लिया। वहीं एक आरोपी फूल सिंह अभी तक फरार है। मामले में कुल 56 आरोपी ट्रायल फेस कर रहे हैं। इसमें लालू प्रसाद यादव व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. जगन्नाथ मिश्र सहित छह राजनी. तिक नेता, तीन आइएएस अधिकारी, छह पशुपालन पदाधिकारी, कोषागार पदाधिकारी सिलास तिर्की और 40 आपूर्तिकर्ता शामिल हैं।

लालू की अपील पर दो फरवरी को हाई कोर्ट में सुनवाई

चारा घोटाले में सजायाफ्ता लालू प्रसाद यादव की अपील पर दो फरवरी को हाई कोर्ट में सुनवाई होगी। लालू की ओर से याचिका पर जल्द सुनवाई का आग्रह करने पर हाई कोर्ट ने यह तिथि निर्धारित की है। अधिवक्ता प्रभात कुमार ने जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की अदालत में लालू प्रसाद की याचिका पर 25 जनवरी को सुनवाई करने का आग्रह किया।

उनकी ओर से कहा गया कि इस शुक्रवार को 26 जनवरी होने के कारण कोर्ट में अवकाश रहेगा। इस पर कोर्ट ने लालू प्रसाद की याचिका पर सुनवाई के लिए दो फरवरी की तिथि निर्धारित की। बता दें कि सीबीआइ की विशेष अदालत ने देवघर कोषागार से अवैध निकासी के मामले में लालू प्रसाद को साढ़े तीन साल की सजा सुनाई है। लालू की ओर से कोर्ट के इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में जमानत दिए जाने की भी मांग की गई है।

रामायण और बौद्ध धर्म, भारत और आसियान को जोड़ते हैं : सुषमा

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने आज कहा कि रामायण और बौद्ध धर्म ऐसे दो पहलू हैं जो भारत और आसियान को जोड़ते हैं और इसीलिए उन्हें भारत आसियान स्मारक सम्मेलन में विशेष महत्व दिया गया है। भारत आसियान यूथ अवॉर्ड्स में सुषमा ने कहा कि भारत तथा आसियान के बीच सदियों पुराने रिश्ते हैं और ये संबंध इतिहास, संस्कृति, वाणिज्य और शिक्षा जैसे विविध क्षेत्र में फैले हुए हैं।

भारत आसियान स्मारक सम्मेलन यहां 25 जनवरी से आयोजित होना है। उससे पहले होने वाले कार्यक्रमों में से एक भारत आसियान यूथ अवॉर्ड्स है। उन्होंने कहा कि दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्र के विद्वान भारत को एक अहम अध्ययन केंद्र के तौर पर चुनते हैं, प्राचीन वक्त में वे नालंदा विश्वविद्यालय को चुनते थे। सुषमा ने कहा, 'रामायण और बौद्ध धर्म दो पहलू हैं जो भारत और आसियान को जोड़ते हैं। इसलिए हमने इन दोनों को स्मारक शिखर सम्मेलन के केंद्र में रखा है।'

बड़े सुधारों से भारत हासिल कर सकता है 10 प्रतिशत वृद्धि : पनगढ़िया

नई दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने कहा है कि भारत में 10 प्रतिशत वृद्धि दर हासिल करने की क्षमता है लेकिन उसे श्रम कानून तथा भूमि अधिग्रहण जैसे क्षेत्रों में बड़े सुधारों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर नरेंद्र मोदी सरकार के पहले तीन साल में 7.5 प्रतिशत रही लेकिन दो प्रमुख सुधारों नोटबंदी और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से वृद्धि दर थोड़ी नीचे आयी है। चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहेगी जो बेहतर है।

यहां वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित 'न्यू इंडिया' व्याख्यान श्रृंखला के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पनगढ़िया ने कहा, ''मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत आठ प्रतिशत से अधिक वृद्धि के रास्ते पर लौटेगा। संभवतरू भारत एकमात्र विकल्प है।'' 'न्यू इंडिया' व्याख्यान श्रृंखला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2022 तक न्यू इंडिया के दृष्टिकोण से प्रोत्साहित है। यह भारत के वाणिज्य दूत संदीप चक्रवर्ती की पहल है। उन्होंने कहा कि हालांकि, चीन संभवतरू 6 से 7 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है लेकिन आने वाले वर्ष में उसकी वृद्धि दर घटकर 5 प्रतिशत पर आ सकती है। पनगढ़िया ने कहा कि भारत जिस तरीके से सुधारों को आगे बढ़ा रहा है, अगले दो दशक तक उच्च वृद्धि दर हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ा है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि देश में 10 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर की क्षमता है। अगले बजट के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में पनगढ़िया ने कहा, ''...मेरे विचार से यह सुधार उन्मुख होगा।''

रेल यात्रियों को उनकी सीट पर ही मिलेगी ये सुविधाएं

नई दिल्ली। रेलगाड़ियों में सफर करने के साथ ही अब आप स्वादिष्ट भोजन का भी लुत्फ ले सकेंगे। इसके साथ ही भारतीय रेलवे ने एक और सुविधा शुरू की है। यात्रा के दौरान अगर आपको भारतीय रेलवे का खाना पसंद नहीं है और चाहते हैं कि ट्रेन में आपक. ो होटल का खाना मिले, तो अब आपके लिए यह अब संभव हो सकेगा।

अब यात्रा के दौरान आप 500 से ज्यादा होटलों से खाने का ऑर्डर दे सकते हैं। इसके सबसे खास बात यह है कि आपको इसके लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं या फिर पहले से बुकिंग कराने की जरूरत नहीं होगी। यह ऑर्डर आप अपनी सीट से ही कर सकते हैं और आपका ऑर्डर आपकी सीट पर ही सर्व किया जाएगा। इसके अलावा आप हर ऑर्डर पर 5 फीसद तक छूट भी ले सकते हैं।

अगर आप प्ब्ज्ब ई–कैटरिंग से ऑनलाइन खाना ऑर्डर करते हैं, तो आपको हर ऑर्डर पर 5 फीसद की छूट मिलेगी। अब जब भी ट्रेन से सफर करें, तो अपना पसंदीदा खाना ऑर्डर करना न भूलें। रेलवे की ई–कैटरिंग सर्विस में मोबाइल ऐप, फोन या फिर ऑनलाइन 500 से भी ज्यादा होटलों से खाना ऑर्डर कर सकते हैं। ऐप से खाना ऑर्डर करने के लिए आईआरसीटीसी कैटरिंग–फूड ऑन ट्रैक ऐप को डाउनलोड करना

होगा। ऐप इंस्टॉल करने के बाद इससे खाना ऑर्डर किया जा सकेगा। रेलवे का यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर मौजूद है।

अगर आप ऐप के अलावा फोन करके डायरेक्ट ऑर्डर देना चाहते हैं तो इसका विकल्प भी आपके पास मौजूद होगा। इसके लिए रेलवे के टोल फ्री नंबर 1323 पर आपको फोन करना होगा। ऐप और फोन के अलावा ैडे के जरिए भी आईआरसीटीसी कैटरिंग सर्विस का फायदा ले सकते हैं। एसएमएस से होटलों से खाना ऑर्डर किया जा सकेगा। इसके लिए आपको सिर्फ 139 पर SM करना है। आपको ैडे कुछ इस तरह करना होगा। SMS में आपको MEAL टाइप करके अपना च्छत् नंबर लिखना होगा।

रेलवे ने ऑनलाइन खाना ऑर्डर करने की सुविधा भी दी है। इसके लिए आपको ीजजचरूध्ध्मबं. जमतपदह.पतबजब.बव.पद पर जाना होगा। यहां आपको 500 से ज्यादा रेस्त्रां में से किसी एक को चुनना होगा। रेस्त्रां के मेन्यू से अपनी पसंद का खाना ऑर्डर कर सकेंगे। ऑर्डर करने के कुछ समय बाद ही आपकी सीट पर ही खाना पहुंच जाएगा।

संसदीय समिति ने रेलवे में बड़ी संख्या में बेटिकट यात्रा को लेकर चिंता जताई है। उसने कहा कि इससे रेलवे को काफी नुकसान हो सकता है। रेलवे कन्वेंशन समिति की रिपोर्ट पिछले सप्ताह संसद में पेश की गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2016–2017 के दौरान बेटिकट यात्रियों से वसूली गई रकम इस मामले में पकड़े गए लोगों की संख्या से मेल नहीं खाती है। समिति ने इसमें भ्रष्टाचार की तरफ इशारा किया।

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

15 P.

गाजियाबाद, 25 जनवरी, 2018

खेल–अन्दाज

शाहरुख, दीपिका और अक्षय से कहीं ज्यादा कीमत आंकी गई विराट कोहली ब्रांड की

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ परिणय सूत्र में बंधने वाले विराट को. हली भारत के सबसे महंगे ब्रांड बन गए हैं। उनकी ब्रांड वैल्यू 144 मिलियन अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। पिछले साल की अपेक्षा इसमें 56 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दूसरे स्थान पर शाहरुख रहे जिनकी ब्रांड वैल्यू में 106 मिलियन अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इसमें पिछले साल की अपेक्षा बीस फीसदी की गिरावट है। विराट ने शाहरुख को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। तीसरे नंबर पर दीपिका पादुकोण हैं। उनकी कीमत 93 मिलियन डॉलर है। डफ एंड फेल्पस कंपनी ने 15 सेलिब्रिटीज की जो सूची जारी की है, उसमें खेल जगत से कोहली के अलावा पूर्व क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी व बैडमिंटन सनसनी पीवी सिंधू भी शामिल हैं। इस लिस्ट में अक्षय कुमार काफी तेजी से ऊपर आ रहे हैं। पिछले साल उन्होंने सात नए प्रोडक्ट्स से अनुबंध किया है।

बता दें कि हाल ही में विराट कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी शादी के रिसेप्शन का न्यौता देने पहुंचे थे। दोनों को इसके बाद काफी ट्रोल किया गया। सोशल मीडिया पर दोनों सितारों का मजाक बनाते हुए मैमे बनाए गए, जो काफी वायरल भी हुए।

शिखर धवन ने किया ऐसा काम, पाकिस्तान में जमकर हो रही तारीफ

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन की इन दिनों सोशल मीडिया में विशेषकर पाकिस्तान में जमकर तारीफ हो रही हैं। धवन ने काम ही कुछ ऐसा किया जिससे दोनों देशों के क्रिकेट फैंस उनकी जमकर सराहना कर रहे हैं। पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक को मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैच के दौरान चोट लगी थी और वे मैदान में बेहोश होकर गिर पड़े थे। मलिक जब रन दौड़ रहे थे तब कोलिन मुन. रो के थ्रो पर गेंद उनके सिर पर लगी थी और वे बेहोश होकर पिच पर गिर पड़े थे। वैसे वे कुछ क्षणों बाद उठे और उन्होंने बल्लेबाजी की थी।

टीम इंडिया के साथ दक्षिण अफ्रीका का दौरा कर रहे धवन ने ट्विटर पर पाकिस्तानी क्रिकेटर मलिक का हालचाल पूछा और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की थी। शोएब भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा के पति हैं। गब्बर के नाम से लोकप्रिय धवन ने ट्वीट किया, जनाब शोएब मलिक, "उम्मीद करता हूं कि आप जल्दी ठीक हो रहे होंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि आप शीघ्र ही फिट होकर मैदान पर वापसी करोगे। अपना ध्यान रखना।

टेस्ट इतिहास में टीम इंडिया का यह अनोखा रिकॉर्ड लगभग तय

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच जोहान्सबर्ग में 24 जनवरी से खेला जाएगा। इस टेस्ट मैच में भारतीय टीम की तरफ से एक अनोखा रिकॉर्ड बनना लगभग तय दिख रहा है।

ऐसा भारत के 85 साल के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में इससे पहले कभी भी नहीं हुआ है। भारत द्वारा जोहान्सबर्ग टेस्ट मैच में पार्थिव पटेल की जगह दिनेश कार्तिक का विकेटकीपर के रूप में खेलना लगभग सुनिश्चित है। यदि ऐसा हुआ तो भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली बार होगा जब टीम तीन टेस्ट मैचों में अलग–अलग विकेटकीपर के साथ मैदान में उतरेगी।

सर्विस करने के नये नियम इससे बेहतर समय में इस्तेमाल हो सकते थे : सिंधू

"नये नियम के अनुसार, "सर्विस करने वाले खिलाड़ी के रैकेट से हिट होने से तुरंत पहले पूरी शटल कोर्ट की सतह से 1–15 मीटर की ऊंचाई से नीचे तक होनी चाहिए।"

ओलंपिक और विश्व चौम्पियनशिप की रजत पदकधारी पीवी सिंधू को लगता है कि बैडमिंटन में प्रयोगात्मक सर्विस नियम का इस्तेमाल इससे बेहतर समय में किया जा सकता था। नये नियम के अनुसार, "सर्विस करने वाले खिलाड़ी के रैकेट से हिट होने से तुरंत पहले पूरी शटल कोर्ट की सतह से 1–15 मीटर की ऊंचाई से नीचे तक होनी चाहिए।" इस नियम का अगले साल की आल इंग्लैंड ओपन चौम्पियनशिप में परीक्षण किया जायेगा। सिंधू से जब सर्विस में प्रयोग करने के नियम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि इसे किसी और समय इस्तेमाल किया जाना चाहिए था। आल इंग्लैंड चौम्पियनशिप के बजाय किसी अन्य अलग टूर्नामेंट में इसका इस्तेमाल किया जा सकता था क्योंकि यह हर किसी के लिये काफी प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है।"

उन्होंने कहा, "जहां तक मेरी सर्विस का संबंध है तो मैं कोशिश कर रही हूं लेकिन इसमें कोई ज्यादा समस्या नहीं होनी चाहिए। हमें सिर्फ इसके अभ्यास की जरूरत होगी।" साइना नेहवाल और कैरोलिना मारिन जैसी शीर्ष खिलाड़ियों ने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर की आलोचना की है लेकिन सिंधू ने कहा कि इसके बारे में बात करने का कोई फायदा नहीं है। उन्होंने कहा, "कैलेंडर पहले ही आ चुका है इसलिये हम अब यह नहीं कह सकते कि हम नहीं खेलेंगे। निश्चित रूप से यह काफी मुश्किल कार्यक्रम है, जिसमें विश्व चौम्पयनिशप, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल शामिल हैं। मैं टूर्नामेंट का चुनाव करूंगी और कोच के साथ इसकी योजना बनाऊंगी।" बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने 2018 के कार्यक्रम में शीर्ष खिलाड़ियों को साल में कम से कम 12 टूर्नामेंट में खेलना अनिवार्य कर दिया है जिससे उसकी काफी आलोचना भी हुई थी।

हालांकि सिंधू साथी खिलाड़ियों जैसा नहीं सोचती, जिन्होंने सुझाव दिया कि बैडमिंटन कैलेंडर में टेनिस ग्रैंडस्लैम जैसे टूर्नामेंट होने चाहिए। उन्होंने मुंबई रॉकेट्स के खिलाफ अपनी टीम के पीबीएल मुकाबले से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "मैं किसी और के बारे में टिप्पणी नहीं कर सकती, कि वे टूर्नामेंट के लिये कैसे तैयारी करते हैं और वे मेरे बारे में भी कुछ नहीं कह सकते। कुछ टूर्नामेंट कुछ खिलाड़ियों के लिये महत्वपूर्ण हो सकते हैं जबकि कुछ अन्य टूर्नामेंट मेरे लिये अहम हैं।" साइना के साथ मुकाबले का सभी को इंतजार था। लेकिन साइना की चोट के कारण यह मैच नहीं हो पाया, इस बारे में सिंधू ने कहा कि वह साथी भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ खेलने की उम्मीद कर रही हैं। उन्होंने कहा, "मैं उम्मीद कर रही थी कि वह खेलेंगी। मैंने अपनी ओर से इस मैच को ट्रंप मैच रखने को कहा था।" सिंधू ने कहा, "ट्रंप मैच सचमुच अहम भूमिका अदा करता है, हर अंक महत्वपूर्ण होता है।

इस प्रारूप में 15 अंक होते हैं, जिसे कोई भी जीत सकता है। आपको पहले अंक से ही ध्यान केंद्रित करने की जरूरत होती है।

पांड्या अगर गलती करे तो उसकी तुलना मेरे साथ ना करें : कपिल

नयी दिल्ली। भारत के दिग्गज आलराउंडर कपिल देव ने आज कहा कि अगर हार्दिक पंड्या दक्षिण अफ्रीका में दूसरे टेस्ट की तरह बेवकूफाना गलतियां करना जारी रखता है तो वह उनके साथ तुलना का हकदार नहीं है। पंड्या को कई बार कपिल के बाद भारत का सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर बताया गया है। कपिल ने सेंचुरियन में दूसरे टेस्ट में पंड्या के बल्लेबाजी प्रदर्शन की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि, 'अगर पंड्या इस तरह की बेवकूफाना गलतियां करना जारी रखता है तो वह मेरे साथ तुलना का हकदार नहीं है।' कपिल दूसरी पारी में पंड्या के आउट होने के संदर्भ में टिप्पणी कर रहे थे। पंड्या तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की बाहर जाती गेंद को

पूर्व भारतीय क्रिकेट संदीप पाटिल ने भी कहा कि दोनों की तुलना करना ठीक नहीं है क्योंकि अभी पंड्या के क्रिकेट करियर की शुरूआत है।

स्लिप के ऊपर से खेलने की कोशिश में विकेटकीपर क्विंटन डिकाक को कैच दे बैठे। पंड्या पहली पारी में भी रन आउट हुए क्योंकि उन्होंने क्रीज पर बल्ला नहीं रखा था और उनके इस लापरवाह रवैये के लिए विशेषज्ञों ने उनकी आलोचना की थी। पूर्व भारतीय क्रिकेट संदीप पाटिल ने भी कहा कि दोनों की तुलना करना ठीक नहीं है क्योंकि अभी पंड्या के क्रिकेट करियर की शुरूआत है।

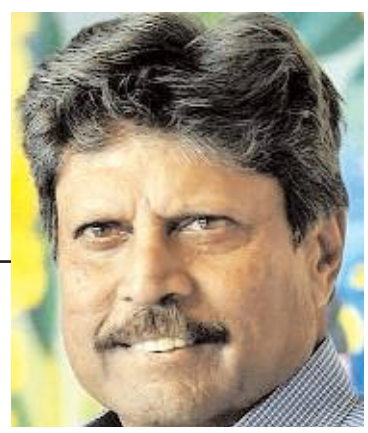

उन्होंने कहा, 'मैं कपिल के साथ काफी क्रिकेट खेला, सचमुच में कोई तुलना नहीं है। कपिल शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 साल भारत के लिए खेला और पंड्या सिर्फ अपना पांचवां टेस्ट मैच खेला है। लंबा रास्ता तय करना है।'

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

फिल्म–अन्दाज

फिर से बन रही ''बाहुबली'', तैयारी शुरू

भारतीय सिनेमा की सबसे अधिक कमाई करने वाली ''बाहुबली'' अब फिर से बनने जा रही है। बस फर्क ये है कि इस बार बाहुबली न तो हिंदी बोलेगा न दक्षिण भारतीय भाषा क्योंकि फिल्म भोजपुरी में बन रही है। इस फिल्म का नाम होगा 'वीर योद्धा महाबली' और फिल्म में प्रभास वाली यानि बाहुबली की भूमिका निभाएंगे भोजपुरी फिल्मों के नामी स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ। इकबाल बक्श को निर्देशन की कमान सौंपी गई है। मुंबई के पास शिलोत्तर गांव में फिल्म के ट्रेलर को शूट किया जा रहा है। फिल्म के ट्रेलर के लिए कई घुड़सवारों के साथ निरहुआ पूरी तरह श्बाहुबलीश के गेटअप में शूट कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि इस फिल्म के ट्रेलर पर लाखों रुपये खर्च किये जा रहे हैं और बाद में मुंबई सहित राजस्थान के कई हिस्सों में फिल्म की शूटिंग होगी। इस फिल्म में निरहुआ के साथ आम्रपाली दुबे भी हैं। बताया जाता है कि फिल्म का ट्रेलर 15 जनवरी को लॉन्च हो सकता है। इस फिल्म को लेकर फिल्म के निर्माता काफी उत्साहित हैं। एस एस राजमौली के निर्देशन में दो भागों में बनी बाहुबली को बेहद पसंद किया गया। इस साल फिल्म का दूसरा भाग रिलीज हुआ, जिसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ से ज्यादा और वर्ल्ड वाइड 1700 करोड़ रूपये की कमाई की।

बहन अर्पिता के पति आयुष को आखिर फिल्म दे ही दी सलमान खान ने

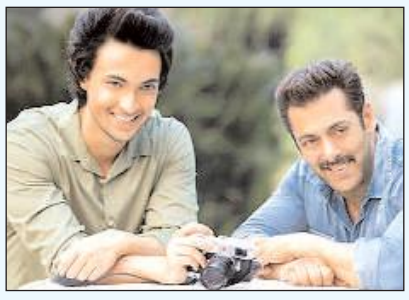

सलमान खान के बहनोई यानि बहन अर्पिता खान के पति आयुष शर्मा को लेकर लंबे समय से खबरें आ रही थीं कि वो जल्द ही बॉलीवुड में एंट्री करने वाले हैं। खबरें थीं कि आयुष को करण जौहर लॉन्च करेंगे लेकिन फिर इन खबरों पर विराम लग गया। अब सलमान कान ने ही उन्हें फिल्म में हीरो बनाया है। सलमान खान ने यह घोषणा कर दी है कि ''सलमान खान फिल्म्स'' की अगली पेशकश आयुष की फिल्म ''लवरात्रि'' होगी। सलमान ने ट्विटर के माध्यम से यह घोषणा की है। सलमान ने ट्वीट किया है कि इस बात की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि सलमान खान प्रोडक्शंस का पांचवां वेंचर ''लवरात्रि'' होगा, जिससे आयुष शर्मा अपने फिल्मी करियर में कदम रखने जा रहे हैं।

पद्मावत के सेंसर सर्टिफिकेट के खिलाफ लगी याचिका को नहीं सुनेगी सुप्रीम कोर्ट

संजय लीला भंसाली की फिल्म ''पद्मावत'' की रिलीज को रोकने के लिए तमाम प्रयास नाकाम साबित हो रहे हैं। फिल्म को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अब सेंसर बोर्ड के खिलाफ याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में सेंसर बोर्ड द्वारा फिल्म पद्मावत को दिए गए सर्टिफिकेट को असंवैधानिक बताया गया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया है। ये याचिका वकील मनोहर लाल शर्मा ने दायर की थी।

धोनी की गर्लफ्रेंड बनने से इनकार कर दिया था इस एक्ट्रेस ने

बॉलीवुड में यह उनका पहला कदम होगा लेकिन साउथ में रकुल प्रीत सिंह एक बड़ा नाम हैं। जल्द ही आप रकुल को सिद्धार्थ मल्होत्रा की हिंदी फिल्म में देखेंगे। श्अय्यारीश नाम की इस फिल्म को नीरज पांडे बना रहे हैं। अब इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। ट्रेलर में सिद्धार्थ को एक बागी बतौर पेश किया जा रहा है। मनोज बाजपेई उनके पीछे हैं। कहानी में खूब एक्शन है और सस्पेंस भी।

कुछ दिन पहले नीरज पांडे ने बताया था कि ये फिल्म 2018 की 26 जनवरी को रिलीज होगी। फिर इसे आगे बढ़ा दिया गया है और कहा गया कि वेलेंटाइन डे के ठीक पहले वाले शुक्रवार यानी 9 फरवरी को ये रिलीज होगी। अब जो पोस्टर जारी हुआ है, उससे साफ है कि ये 26 जनवरी 2018 को लगेगी। इसी दिन अक्षय कुमार की ''पैडमेन'' भी रिलीज हो रही है। रकुल और सिद्धार्थ इस फिल्म का काम पूरा कर चुके हैं। रकुल का कहना है कि उन्हें नीरज पांडे की हर फिल्म पसंद है लेकिन बदकिस्मती से वे ''एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी'' में काम नहीं कर पाई थीं। बता दें कि उन्हें इस फिल्म में भारतीय क्रिकेट कप्तान एमएस धोनी की एक्स गर्लफ्रेंड का रोल दिया जा रहा था। रकुल ने स्क्रिप्ट पढ़ते ही इस फिल्म के लिए नीरज को अपनी मंजूरी दे भी दी थी। अपने साउथ के प्रोजेक्ट की व्यस्तता के कारण वे धोनी की फिल्म के लिए वक्त नहीं निकाल पाई और नीरज पांडे को काफी बाद में इस रोल के लिए इनकार किया। बाद में यह रोल दिशा पाटनी ने किया था। रकुल को अपनी नई फिल्म में मनोज बाजपेई का भी साथ मिला है। ''अय्यारी'' में अनुपम खेर और नसीरुद्दीन शाह भी हैं।

आई प्रेगनेंसी की खबर तो सोशल मीडिया पर भड़की बिपाशा

बिपाशा बसु को लेकर खबरें थीं कि वो प्रेग्नेंट हैं लेकिन एक्ट्रेस ने इन अफवाहों को खारिज किया है। गुस्साई बिपाशा ने ट्विट कर यह जानकारी दी है। मीडिया में अपनी प्रेग्नेंसी की लगातार खब्बरों के कारण बिपाशा गुस्से में हैं। हाल ही में उनका गुस्सा फूटा और उन्होंने ट्वीट के जरिए उनकी प्रेग्नेंसी से जुड़ी खब्बरों को निराधार बताया और यह साफ कर दिया कि ऐसा कुछ नहीं है। बिपाशा ने ट्विटर पर लिखा है श्मैं फिर से हैरान हूं। मैंने कार में बैठते समय अपने बैग को अपनी गोद में रखा तो कुछ मीडिया वालों ने मेरी प्रेग्रेंसी की खबरें बना दीं। दोस्तों में प्रेग्नेंट नहीं हूं। यह सब बहुत इरिटेटिंग है। आप शांत रहें। यह तभी होगा जब हम चाहेंगे।

सनी देओल की विवादित फिल्म ''मोहल्ला अस्सी'' को सेंसर ने किया पास

डॉक्टर चंद्र प्रकाश द्विवेदी की फिल्म ''मोहल्ला अस्सी'' लगभग दो सालों तक विवादों से घिरी रही थी। मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने सीबीएफसी को निर्देश दिया था कि वह इस फिल्म को एक हफ्ते के अंदर ए प्रमाण पात्र जारी करें और आखिरकार फैसला फिल्म के हित में आ गया है। दो साल के लंबे संघर्ष के बाद अब फिल्म पास हो चुकी है और इसे सर्टिफिकेट मिल चुका है। इस फिल्म की कहानी काशीनाथ द्वारा लिखे नॉवेल 'काशी का अस्सी' पर आधारित है।

स्वात्वाधिकारी मै. लीगल इन्फोशोल्यूशन्स प्रा0लि0, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक **''सत्येन्द्र सिंह''** द्वारा मै. बी.एफ.एल. इन्फोटैक लि. सी–9, सेक्टर–3, नोएडा–201301 से छपवाकर बी.ई. –243, (ग्राउण्ड फ्लोर) अवन्तिका, गाजियाबाद–201002 से प्रकाशित किया।

फोन : 0120–4122901 / 4108794

मोबाइल नं. : 9818036460 / 9818697406

E-mail : udyogviharnp@yahoo.com

संस्थापक : शीतला प्रसाद सिंह

प्रधान सम्पादक : सत्येन्द्र सिंह

सम्पादक : बबिता सिंह

सह सम्पादक : राजेश सिंह